छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 186 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 18 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

महाराष्ट्र के जलगांव रेलवे स्टेशन से तीर्थयात्री गायब, जमीन गिरवी रखकर तलाश रहे

सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा से लौट रहा था सरगुजा के ग्राम पलका का पूरन राम पोर्ते

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पलका निवासी 48 वर्षीय एक ग्रामीण शासन द्वारा आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा से लौटते समय महाराष्ट्र के जलगांव रेलवे स्टेशन में लापता हो गया, जिसका 22 दिन बाद भी पता नहीं चल पाया है। स्वजन ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के साथ मदद की गुहार लगाई है। लापता ग्रामीण की पत्नी का कहना है कि जिसे सकुशल गांव से लेकर गये थे, उसका झोला और सामान उन्हें वापस मिला है। पति की तलाश में लिये पत्नी ने अपनी जमीन को गिरवी में रखकर करीब एक लाख रुपये फूंक चुकी है। शुक्रवार को लापता ग्रामीण की पत्नी, पुत्रियां और दामाद सरगुजा कलेक्टर के पास आवेदन लेकर पहुंचे, यहां आवेदन लेने के बाद इन्हें जनदर्शन में आने कहा गया।

जानकारी के मुताबिक, शासन की ओर से संचालित सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा में शामिल होने के लिये उदयपुर विकासखंड के ग्राम पलका से अमरनाथ सिरदार अपनी पत्नी तपेशिया के साथ गये थे। इनके साथ पूरन राम पोर्ते भी तीर्थयात्रा में जाने 21 जून को शाम करीब 6.30 बजे गांव से निकला,

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री से मदद की गुहार–परिवार के लोगों ने इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल को अवगत कराया है और लापता पूरन राम पोर्ते के वापस घर नहीं लौटने पर चिंता व्यक्त की है। पूरन की पत्नी गंगामती पोर्ते का कहना है कि, पति के अचानक गायब हो जाने से पूरा परिवार परेशान और दु:खी है। इधर पुलिस ने संबंधित व्यक्ति के बारे में किसी प्रकार की जानकारी मिलने पर नजदीकी पुलिस स्टेशन या मोबाइल नंबर 9340987015 पर संपर्क करने कहा है। गंगामती का कहना है कि वे अपने स्तर से लापता पति की खोजबीन के लिये अपने स्वत्व की जमीन 65 हजार रुपये में रेहन रखकर अब तक एक लाख रुपये से अधिक व्यय कर चुकी है, लेकिन कहीं भी पता नहीं चला।

पुत्री से 25-26 जून को मोबाइल में किया बात–लापता ग्रामीण की पत्नी गंगामति का कहना है कि उसके पति पूरन राम की 25 जून को रात 12.30 बजे बेटी केशरी सिंह से मोबाइल फोन पर बात हुई थी। इस दौरान उन्होंने बताया था कि सोमनाथ दर्शन के बाद वापस आ रहे हैं। 26 जून को भी सुबह 6.30 बजे बेटी की अपने पिता से बात हुई थी। 26 जून को ही दोपहर करीब 2.30 बजे नोडल अधिकारी ने पुत्री केशरी के मोबाइल में फोन करके बताया कि, उसके पिताजी कहीं गुम हो गये हैं, और अभी तक नहीं मिले हैं। बताया गया कि यात्रा के समय ट्रेन सुबह 7 बजे जलगांव रेलवे स्टेशन पर रूकी थी, इसके बाद से उनका पता नहीं चल रहा है। ऐसे में गैर जिम्मेदाराना रवैया भी सामने आ रहा है।

संबंधियों ने कई रेलवे स्टेशनों को खंगाला–मामले में रेलवे पुलिस भुसावल ने गुम इंसान का मामला दर्ज किया है। वहीं रेलवे पुलिस दुरक्षेत्र जलगांव के तपासी अमलदार भी जांच में जुटी है। इन सबके बीच 17 जुलाई तक पूरन राम पोर्ते का कोई पता नहीं चल पाया है। ऐसे में पूरा परिवार काफी परेशान हैं। इनके द्वारा जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई गई है। पूरन राम की तीन बेटियां हैं, तीनों विवाह के बाद अपने-अपने ससुराल में रहती हैं। पूरन अपनी पत्नी गंगामति के साथ घर में रहते थे। इनके दामाद चंदन कुमार ने बताया कि उन्होंने अभी तक उन्होंने अन्य लोगों के साथ महाराष्ट्र के भुसावल, मनमाड़, जलगांव, अकोला, नागपुर, नासिक सहित अन्य छोटे-बड़े रेलवे स्टेशनों तक जाकर अपने ससुर की खोजबीन की। नासिक में रहने वाले उनके संबंधी भी तलाश में निकले, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया है।

इसके बाद वे उदयपुर से बस में सवार होकर 22 जून से 26 जून तक की सुनिश्चित सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के लिये रवाना हुये थे। स्वजन के अनुसार बस में सरगुजा जिला प्रशासन की ओर से पंचायत विभाग के विपिन चौधरी नोडल अधिकारी के रूप में गये थे। इसके बाद 26 जून को शाम 7.16 बजे ट्रेन नंबर 00844 रायपुर स्पेशल से जलगांव रेलवे स्टेशन, महाराष्ट्र में उतरने के बाद वह वापस नहीं लौटा। साथ में गये नोडल अधिकारी सहित अन्य ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इस संबंध में रेलवे पुलिस भुसावल और दुरक्षेत्र जलगांव में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। हिंदी भाषी ग्रामीण के पास मोबाइल फोन और परिवार के किसी सदस्य का मोबाइल नम्बर भी आज की स्थिति में नहीं है, जिसमें वह अपने बारे में किसी प्रकार की सूचना दे सके। स्वजन का कहना है कि यात्रा में रवानगी के समय एक कागज में घर के सदस्य का मोबाइल नम्बर पूरन राम लिखकर ले गया था, यह कागज बैग व अन्य सामानों के साथ वापस घर पहुंचा दिया गया है, इससे स्वजन की चिंता और बढ़ गई है।

सरगुजा एसएसपी के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर फेंड रिक्वेस्ट भेज रहे

साइबर ठगों से रहें सावधान: मोबाइल नंबर सहित अन्य जानकारी देने से बचें

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में एक बार फिर शातिर अपराधियों के द्वारा उच्च अधिकारी की पहचान का दुरुपयोग करने जैसा मामला प्रकाश में आया है। इस बार निशाना डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल बने हैं। ठगों ने एसएसपी की फोटो का इस्तेमाल करके फर्जी फेसबुक आईडी बनाई है और आम नागरिकों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर ठगी का जाल फैलाने में लगे हैं। एसएसपी ने थाने में इसकी जानकारी दी है। साइबर सेल मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, साइबर ठगों ने एसएसपी राजेश अग्रवाल की प्रोफाइल फोटो लगाकर एक नकली फेसबुक अकाउंट तैयार किया है। इस फर्जी आईडी से विभिन्न लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जा रही है। रिक्वेस्ट स्वीकार होते ही चैट के माध्यम से मोबाइल नंबर मांगा जा रहा है और बातचीत करके लोगों को विश्वास में लेने की कोशिश की जा रही है। इसकी भनक लगते ही एसएसपी राजेश अग्रवाल ने उनके नाम से चल रहे इस आईडी को पूरी तरह से फर्जी बताया है, और कहा है कि उनका इस प्रोफाइल से कोई लेना-देना नहीं है।

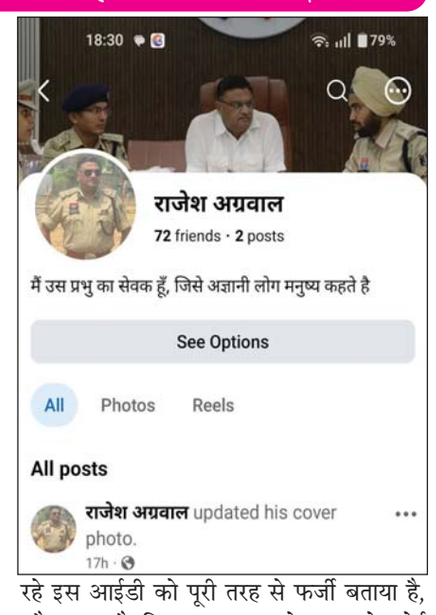

व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें–एसएसपी राजेश अग्रवाल ने तत्काल इस संबंध में जिला साइबर सेल को सूचना दी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे फर्जी अकाउंट से आने वाली फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और न ही किसी को अपना मोबाइल नंबर, ओटीपी, बैंक डिटेल या अन्य व्यक्तिगत जानकारी साझा करें। यदि किसी को इस तरह का संदिग्ध मैसेज या रिक्वेस्ट मिले तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या साइबर सेल को सूचना दें।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले–बता दें कि, इससे पहले भी सरगुजा व बलरामपुर कलेक्टर के फेंक अकाउंट बनाए थे। इस दौरान दोनों जिलों के कलेक्टर ने आगाह कराया था कि यह उनका अकाउंट नहीं है। ठग अधिकारी बनकर अधिकारियों और आम लोगों को झांसे में लेकर रुपये की मांग करते हैं। इसी पैटर्न को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने लोगों को सोशल मीडिया पर सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस की साइबर सेल टीम फर्जी आईडी के आईपी एड्रेस और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुट गई है।

फर्जी आईडी में अब तक बने 72 फ्रेंड -इंटरनेट मीडिया पर एक्टिव सरगुजा एसएसपी के फेसबुक पर करीब साढ़े 4 हजार फॉलोवर्स हैं। फेक फेसबुक आईडी में अब तक 72 फ्रेंड बने हैं, इसमें लोगों को झांसा में लेने फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजे जा रहे हैं। रिक्वेस्ट स्वीकार करने पर मोबाइल नंबर की मांग की जा रही है। संदेह होने पर मामला एसएसपी तक पहुंचा। चेक करने पर यह फेक आईडी निकला, जिसमें सामने एसएसपी की फोटो और कवर फोटो में बैठक लेते एसएसपी की फोटो दिखाई दे रही है। इनके साथ एसएसपी सरगुजा व सीएसपी भी नजर आ रहे हैं। ऐसे में एसएसपी सरगुजा के कार्यालय की फोटो का फेक फेसबुक आईडी में उपयोग करना प्रतीत हो रहा है।

कोटवारी-सेवाभूमि प्रकरण के वर्तमान खातेदारों को 7 अगस्त तक पक्ष रखने का अवसर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय के निर्देशानुसार कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा द्वारा जारी पत्र में कोटवारों द्वारा विक्रय की गई कोटवारी/सेवाभूमि के विरूद्ध समुचित कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। तहसीलदार अंबिकापुर ने वर्तमान भूमिस्वामी/खातेदारों को सुनवाई हेतु नोटिस जारी किया, किन्तु संबंधित व्यक्ति का पता सही नहीं होने के कारण अदम तामिली मालजमादार द्वारा नोटिस वापस किया गया है, जो इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है। वर्तमान खातेदार, भूमि स्वामियों को सूचना पत्र तामिली नहीं हो पाने के कारण पेशी दिनांक 7 अगस्त को न्यायालय में स्वयं उपस्थिति अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से अपना पक्ष रखना होगा। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

अनियंत्रित डंपर घर में घुसा, घर में सो रहे 3 घायल, 4 गायों की दर्दनाक मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिला मुख्यालय स्थित संयुक्त जिला कार्यालय से महज कुछ फासले पर राष्ट्रीय राजमार्ग-343 में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। गिट्टी से भरा तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान में जा घुसा। हादसे में घर में सो रहे 3 लोग घायल हो गए, जबकि घर में बंधी 4 गायों गिट्टी के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गईं। जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर की ओर से झारखंड, बिहार की और जा रहे डंपर वाहन क्रमांक जेएच 02 डीएक्स 7511 अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और रविंद्र शर्मा के मकान की दीवार को तोड़ते हुए घर में घुस गई। घटना के समय घर के अंदर रविंद्र शर्मा (40 वर्ष), उनकी पत्नी सुनीता शर्मा (35 वर्ष) एवं पुत्र प्रिंस शर्मा (12 वर्ष) सो रहे थे। अचानक हुए इस हादसे से पूरे घर में चीख-पुकार मच गई। हादसा इतना भयावह था कि परिवार के सदस्यों को कुछ समझने का मौका तक नहीं मिला। डंपर पलटने के साथ ही उसमें भरी गिट्टी घर में बंधी चार गायों पर गिर गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल बलरामपुर पहुंचाया, जहां इनका उपचार जारी है।

कलेक्टर ने अस्पताल पहुंचकर जाना हाल

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही बलरामपुर कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी तत्काल जिला अस्पताल पहुंचीं और घायलों तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना, और अधिकारियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा पूरे मामले की सतत निगरानी की जा रही है, प्रभावित परिवार को आवश्यक सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अरूण ट्रेडर्स परिसर से जब्त हुआ पीडीएस का चावल,गोदाम सील प्रशासन व खाद्य विभाग ने मारा छापा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर के खरसिया नाका में अरूण ट्रेडर्स में पीडीएस का चावल बड़ी मात्रा में भंडारित किए जाने की सूचना पर शुक्रवार को खाद्य एवं राजस्व अमले की टीम ने छापा मारा। प्रशासनिक टीम को देखकर अरूण ट्रेडर्स का संचालक दुकान व गोदाम बंद कर भाग निकला। प्रशासन ने परिसर में खड़ी मिनी ट्रक से 130 बोरा पीडीएस का चावल जब्त किया है। अरूण ट्रेडर्स के गोदाम को सील कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, अरूण ट्रेडर्स में बड़ी मात्रा में पीडीएस का चावल खपाये जाने की सूचना पर खाद्य विभाग एवं राजस्व अमले की टीम मौके पर पहुंची। अरूण ट्रेडर्स के संचालक अरूण बंसल ने गोदाम में टीम को जाने से रोक दिया और गोदाम बंद कर भाग निकला। प्रशासनिक टीम ने गोदाम को सील कर दिया है।

अरूण ट्रेडर्स के बाहर खड़ी मिनी ट्रक वाहन की जांच की गई। मिनी ट्रक में 130 बोरा पीडीएस का चावल बरामद हुआ। पिकअप वाहन एवं चावल को जब्त कर लिया गया है। फिलहाल गोदाम की जांच नहीं हो सकी है। बताया गया है कि अरूण ट्रेडर्स से खड़ी पिकअप में चावल लोड किया जा रहा था।

पूर्व में दर्ज हो चुकी है एफआईआर

अरूण ट्रेडर्स के संचालक द्वारा लंबे समय से पीडीएस चावल की रिसाइक्लिंग का कारोबार कर रहे हैं। सस्ते में खरीदा गया पीडीएस का चावल अरूण ट्रेडर्स के संचालक खरीदते हैं और दूसरे बोरे में पैक कर बाजार में बेच देते हैं। यहां से पीडीएस का चावल आटा बनाने के लिए भी भेज दिया जाता है। इससे पहले भी अरूण ट्रेडर्स में पोर्टीफाइड चावल बड़ी मात्रा में बरामद हुआ था, जिसके बाद अरूण ट्रेडर्स के संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। फिलहाल प्रशासनिक टीम ने गोदाम की जांच नहीं की है। बताया जा रहा है कि गोदाम में बड़ी मात्रा में पीडीएस का चावल रखा गया है।

कार्रवाई में शामिल खाद्य अधिकारी शिवेंद्र कुमार कामटे ने बताया कि जांच में दुकान के बाहर मिला चावल पीडीएस का है। संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। गोदाम की जांच की जाएगी और पीडीएस का चावल मिला तो उसे भी जब्त किया जाएगा।

केदारपुर स्कूल में पदस्थ सहायक शिक्षिका भावना सिंह को मिला राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सरगुजा जिले की शिक्षिका भावना सिंह को राष्ट्रीय स्तर का गौरव प्राप्त हुआ है। इन्हें राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित स्व. श्री हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह 2026 में सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह 15 जुलाई को राजधानी रायपुर में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिभूमि के प्रधान संपाक डॉ. हिमांशु द्विवेदी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी संजय अग्रवाल, संस्थापक एनआर स्टील ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. चितरंजन कर और डॉ. पूर्णानंद मिश्र उपस्थित थे। राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत ने इनके उज्जवल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सफलता की कामना करते हुए अपेक्षा की है कि वे छात्रहित में अपनी अंतिम क्षमता प्रदान करेंगी। सरगुजा जिले के लिए यह गर्व की बात है कि जिले की एक शिक्षिका को राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित किया गया है।

700 आवेदन मिले, 250 शिक्षकों का अंतिम चयन–राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत द्वारा देशभर से लगभग 700 आवेदन प्राप्त हुए थे। सभी आवेदनों का गहन अध्ययन, मूल्यांकन और सत्यापन राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के उच्च स्तरीय पैनल द्वारा तय मानकों के आधार पर किया गया। इसके बाद देश के विभिन्न राज्यों से 250 उत्कृष्ट शिक्षकों का अंतिम चयन सम्मान के लिए किया गया।

शासकीय प्रायोगिक प्राशा, केदारपुर में हैं शिक्षिका–बता दें कि भावना सिंह, सहायक शिक्षक के पद पर शासकीय प्रायोगिक प्राथमिक शाला, केदारपुर अंबिकापुर में पदस्थ हैं। इन्हें मिले प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला होती है, इस महान यज्ञ में ज्ञान का दीप जलाने वाले शिक्षक ही वास्तविक राष्ट्र निर्माता होते हैं। भावना सिंह द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट, नवाचारी और सराहनीय कार्यों के लिए उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान 2026 से अलंकृत किया गया है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय योगदान–भावना सिंह ने अपने कर्मस्थली शासकीय प्राथमिक शाला केदारपुर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचारी शिक्षण पद्धतियों, बाल-केंद्रित गतिविधियों, नैतिक मूल्यों के संवर्धन, डिजिटल शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक जागरूकता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसी आधार पर उन्हें यह सम्मान मिला है।

पुलिया में गिरी पिकअप, दर्दनाक हादसे में युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के रामानुजगंज में शुक्रवार को दोपहर करीब 1.30 बजे दर्दनाक सड़क हादसे में रिंग रोड स्थित स्वाद घर के समीप तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर करीब 15 फीट गहरे पुलिया में जा गिरी। हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक, ग्राम कुर्लूडीह के 4 युवक अपनी दो खराब मोटरसाइकिलों की मरम्मत कराने रामानुजगंज आए थे। मोटरसाइकिल छोड़ने के बाद वे नावाडीह से पौधे लेकर पिकअप वाहन से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रिंग रोड स्थित स्वाद घर के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और पिकअप सीधे पुलिया में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि धुनधुन पिता मुखदेव (21 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं सुनील यादव पिता बलदेव यादव (35 वर्ष), उमा (21 वर्ष) एवं मंगलू पिता भूखन (24 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी एक ही गांव कुर्लूडीह के निवासी हैं। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही रामानुजगंज पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। इस हृदयविदारक हादसे से ग्राम कुर्लूडीह सहित पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :– सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से सुलझी पेंशन की समस्या

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायत के त्वरित निराकरण से जनपद पंचायत बलरामपुर के ग्राम जरहाडीह निवासी श्री धुरन प्रजापति को 6-7 माह से लंबित सामाजिक सहायता पेंशन की राशि प्राप्त हो गई।

श्री धुरन प्रजापति के पुत्र श्री अंकज कुमार प्रजापति द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि उनके पिता को सामाजिक सहायता पेंशन का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित विभाग द्वारा प्रकरण की जांच की गई।

जांच के दौरान यह पाया गया कि हितग्राही के बैंक खाते से संबंधित तकनीकी समस्या के कारण विगत 6-7 माह से पेंशन की राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा था।

अंतर्राज्यीय सीमा पर कलेक्टर का निरीक्षण

★ कोरंधा थाना एवं चेकपोस्ट का किया अवलोकन
★ सुरक्षा प्रबंधन एवं जांच व्यवस्था का लिया जायजा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने विकासखंड कुसमी के अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित कोरंधा चेकपोस्ट एवं पुलिस थाना का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं, सुरक्षा व्यवस्था, कार्यालयीन अभिलेखों के संधारण तथा साफ-सफाई का जायजा लिया।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने थाना प्रभारी से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अंतर्राज्यीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था, नियमित गश्त एवं वाहनों की जांच संबंधी जानकारी ली। उन्होंने थाना के अंतर्गत अभिलेखों का अवलोकन करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने को कहा। इस दौरान कलेक्टर ने विवेचक कक्ष, मोहर्रिर कक्ष, पुरूष एवं महिला बंदी कक्ष सहित अन्य कक्षों का अवलोकन भी किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में वाहनों की नियमित जांच, संदिग्ध एवं अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए नियंत्रण सुनिश्चित को कहा। उन्होंने अंतर्राज्यीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ रखते हुए सतर्कता के साथ कार्य करने की बात कही।

जयनगर बाजार मोड़ पर 670 बोरी यूरिया से लदे ट्रक का डाला पलटा, मची अफरा-तफरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर शुक्रवार की शाम ग्राम पंचायत जयनगर के साप्ताहिक बाजार मोड़ पर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। रेलवे रेक प्वाइंट से लगभग 670 बोरी यूरिया लेकर कुनकुरी की ओर जा रहे एक ट्रक का डाला अचानक पलट गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद दुकानदार और राहगीर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीएच 9124 के मालिक संजय गुप्ता, निवासी अंबिकापुर हैं। ट्रक को प्रियांशु साहू निवासी अंबिकापुर चला रहे थे, जबकि उनके साथ खलासी शंभू पण्डो पिता मोहन पण्डो, निवासी बहाचुरा रामचंद्रपुर मौजूद थे। ट्रक रेलवे रेक प्वाइंट बिश्रामपुर से उर्वरक की करीब 670 बोरी यूरिया लोड कर एमएफ कुनकुरी गोदाम पहुंचाने के लिए रवाना हुआ था। शाम करीब 5 बजे जैसे ही ट्रक जयनगर साप्ताहिक बाजार के समीप स्थित मोड़ पर पहुंचा, अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते ट्रक का डाला एक ओर पलट गया। कुछ क्षणों के लिए ऐसा लगा कि पूरा ट्रक पलट जाएगा और हाईवे पर बड़ा हादसा हो जाएगा, लेकिन बड़ी अनहोनी टल गई। घटना ऐसे स्थान पर हुई, जहां शाम के समय भीड़ रहती है। उस समय दोपहिया वाहन, कारें और पैदल राहगीर लगातार आवाजाही कर रहे थे। यदि ट्रक पूरी तरह पलट जाता या सैकड़ों बोरी यूरिया सड़क पर बिखर जातीं, तो राष्ट्रीय राजमार्ग कई घंटों तक बाधित हो सकता था और जनहानि की भी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

हादसे के बाद कुछ समय तक हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। दुर्घटना उपरांत चालक मौके से फरार हो गया है। सूचना मिलने के बाद जयनगर पुलिस मौके पर पहुंच व्यवस्था सुदृढ़ कर रही है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि मोड़ पर अचानक संतुलन बिगड़ने से ट्रक का डाला पलटा है। हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

जिले में अब तक 301 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 01 जून 2026 से अब तक 301 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्रतिवेदित दिनांक

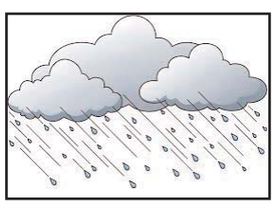

को तहसील बलरामपुर में 10 मि.मी., डौरा-कोचली में 10.3 मि.मी., कुसमी में 3.5 मि.मी, सामरी में 9 मि.मी., चांदो में 19 मि.मी., शंकरगढ़ में 5.4 मि.मी., रामानुजगंज में 9.2 मि.मी., रामचंद्रपुर में 3.6 मि.मी., राजपुर में 10.8 मि.मी., वाड्रफनगर में 5.2 मि.मी. तथा चलगली में 5.4 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। इस प्रकार बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में प्रतिवेदित तिथि को कुल 91.7 मि.मी. वर्षा हुई है।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 01 जून से अब तक तहसील बलरामपुर में 359.9 मि.मी., डौरा-कोचली में 328.5 मि.मी., कुसमी में 766.5 मि.मी., सामरी में 335.4 मि.मी., चांदो में 270.6 मि.मी. शंकरगढ़ में 342.2 मि.मी., रामानुजगंज में 213.9 मि.मी., रामचंद्रपुर में 260 मि.मी., राजपुर में 143.8 मि.मी., वाड्रफनगर में 225 मि.मी., रघुनाथनगर में 158.5 मि.मी. एवं चलगली में 207.4 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल और घटनास्थल पहुंचीं कलेक्टर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आज सुबह संयुक्त जिला कार्यालय के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर गिट्टी से भरा

जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल

एक डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान की दीवार से जा टकराया। दुर्घटना में घर में मौजूद एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए, जबकि चार गायों की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचीं और घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों के

समुचित उपचार के निर्देश दिए तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी दुर्घटनास्थल पहुंचीं, जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर विशेष रूप से घायल परिवार की महिला श्रीमती लालमुनि से मुलाकात कर घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की।

जिला प्रशासन द्वारा पूरे मामले पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है।

राई जंगल में खड़े ट्रेलर से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राई जंगल मुख्य मार्ग पर गुरुवार रात एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। हादसे की खबर मिलते ही दोनों गांवों में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। करंजी पुलिस ने बताया कि रामानुजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तेलाईमुड़ा निवासी 20 वर्षीय बीरपाल यादव और लटोरी चौकी अंतर्गत ग्राम करसू निवासी 21 वर्षीय संजय कुमार यादव गुरुवार शाम रिश्तेदारी में ग्राम राई जा रहे थे। बीरपाल अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 16 सीए 4578 चला रहा था, जबकि संजय पीछे बैठा था। रात करीब 8.30 बजे जब दोनों राई जंगल के मुख्य मार्ग पर पहुंचे, तभी सड़क पर पहले से खड़े एक ट्रेलर क्रमांक सीजी 16 ए 2538 से उनकी बाइक जा टकराई। परिजनों का आरोप है कि ट्रेलर चालक ने वाहन को लापरवाहीपूर्वक सड़क पर खड़ा कर रखा था और उसमें न तो कोई इंडिकेटर जल रहा था और न ही पीछे कोई रेडियम या चेतावनी संकेत दिखाई दे रहा था। अंधेरे में ट्रेलर नजर नहीं आने से बाइक सीधे उसके पिछले हिस्से से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि यदि ट्रेलर पर इंडिकेटर या रिफ्लेक्टर लगे होते, तो शायद यह हादसा टल सकता था और दो युवाओं की जान बच सकती थी। दोनों युवकों की असमय मौत से ग्राम तेलाईमुड़ा और करसू में शोक की लहर है।

शिवनंदनपुर में बंद पड़े ट्रांसफार्मर को नहीं हटाने पर होगा आंदोलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर के वार्ड क्रमांक 3 फौजी गली में नियम विरुद्ध लगाए गए एक बंद ट्रांसफार्मर को लेकर अब विवाद गहरा गया है। नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने सीएसपीडीसीएल के कार्यपालन अभियंता सूरजपुर को ज्ञापन सौंपकर 15 दिनों के भीतर विद्युत ट्रांसफार्मर हटाने की मांग की है। साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो मोहल्लेवासी विभाग के खिलाफ धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने को बाध्य होंगे। नपं शिवनंदनपुर उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि वार्ड क्रमांक 3 के पानिकर भवन के सामने तथा वार्ड क्रमांक 2 निवासी नरेश मित्तल के घर से सटे स्थान पर नियमों के विपरीत विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। उन्होंने दावा किया कि यह विद्युत ट्रांसफार्मर कई महीनों से खराब

पड़ा है और इससे किसी भी उपभोक्ता को बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है, बावजूद इसके इसे हटाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ज्ञापन में बताया गया है कि विद्युत ट्रांसफार्मर हटाने के लिए सीएसपीडीसीएल के सहायक अभियंता बिश्रामपुर से भी कई बार मौखिक शिकायत की गई। शिकायत के बाद उन्होंने मौके का निरीक्षण भी किया और स्थानीय लोगों के सामने यह स्वीकार किया कि विद्युत ट्रांसफार्मर गलत तरीके से लगाया गया है तथा इसे हटाया जाएगा। हालांकि महीनों बीतने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई और केवल आश्वासन ही मिलता रहा।

अंशुल गोयल का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जानबूझकर इस मामले को लंबित रखा जा रहा है। बंद पड़ा विद्युत ट्रांसफार्मर सड़क के बीचों-बीच होने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। संकरी गली में यह ट्रांसफार्मर लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। कई बार राहगीरों और वाहन चालकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा ट्रांसफार्मर के आसपास कचरे का ढेर जमा होने से क्षेत्र में गंदगी फैल रही है।

उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने विभाग को 15 दिन का अंतिम अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि इस अवधि में नियम विरुद्ध स्थापित ट्रांसफार्मर नहीं हटाया गया तो किसी भी अप्रिय घटना की पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग और संबंधित अधिकारियों की होगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद मोहल्लेवासी सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे और कार्यपालन अभियंता कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

आपदा से बचाव के लिए केनापारा पोखरी में बाढ़ बचाव दल ने किया मॉक ड्रिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संभावित प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित एवं प्रभावी राहत बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा स्थित पर्यटन स्थल के पोखरी में बाढ़ बचाव एवं अग्निशमन दल द्वारा कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा की स्थिति में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का पूर्वाभ्यास किया गया। अभ्यास के दौरान आपदा प्रबंधन दल को एक व्यक्ति के पोखरी में डूबने की काल्पनिक सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दल ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए मोटरबोट, गोताखोरों एवं आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ घटनास्थल पहुंचकर राहत अभियान प्रारंभ किया। निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने डूब रहे व्यक्ति का सुरक्षित रेस्क्यू किया। इस दौरान दल द्वारा आपदा प्रबंधन में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों के संचालन एवं उनकी उपयोगिता की भी जानकारी दी गई। मॉक ड्रिल के दौरान उपस्थित नागरिकों को बताया गया कि आपदा की स्थिति में घर में उपलब्ध सामान्य संसाधनों का उपयोग कर किस प्रकार प्रारंभिक स्तर पर स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा की जा सकती है। साथ ही आपदा के समय सतर्कता, संयम और सही निर्णय के महत्व से भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि आपदा के समय नागरिकों की सावधानी ही उनकी सबसे बड़ी सुरक्षा है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय संयम बनाए रखें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि जिले में संभावित बाढ़ एवं अन्य आपदाओं से निपटने के लिए बाढ़ बचाव दल की तैनाती की गई है तथा नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जहां आवश्यकता पड़ने पर तत्काल संपर्क किया जा सकता है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से जलभराव वाले क्षेत्रों, नदी-नालों, तालाबों, पर्यटन स्थलों एवं झरनों के समीप अनावश्यक रूप से जाने तथा सेल्फी लेने से बचने की अपील करते हुए कहा कि थोड़ी सी सावधानी किसी भी अप्रिय घटना से बचाव का प्रभावी माध्यम बन सकती है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, जिला सेनानी संजय गुप्ता, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

आपात स्थिति में गंभीर मरीजों की जान बचाना था पहली प्राथमिकता

जीवन रक्षक उपचार में देरी न हो इसलिए निर्णय लेकर मरीजों को एक साथ किया गया रेफर घटना के दौरान दो 108 एम्बुलेंस रही सक्रिय

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विभिन्न माध्यमों में प्रसारित समाचार, तीन मरीजों को एक ही एम्बुलेंस से रेफर किए जाने का उल्लेख किया गया है, जिसके संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने तथ्यात्मक जानकारी दी है कि 15 जुलाई 2026 को शाम लगभग 6:30 बजे ग्राम जारगिम में एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। दुर्घटना के समय वाहन में लगभग 12 मजदूर सवार थे। जिसमें दो मजदूरों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि शेष घायलों में चार की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के माध्यम से गंभीर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, शंकरगढ़ लाया गया। अन्य सात घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मनोहरपुर में प्राथमिक उपचार दिया जा रहा था। बाद में उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें भी सीएचसी शंकरगढ़ लाना आवश्यक हुआ, जिसके लिए उपलब्ध 108 एम्बुलेंस को मनोहरपुर भेजा गया।

इसी दौरान सीएचसी शंकरगढ़ में भर्ती गंभीर मरीजों की हालत और गंभीर होने लगी तथा उन्हें तत्काल उच्च चिकित्सा संस्थान मेडिकल कॉलेज, अंबिकापुर रेफर करना आवश्यक हो गया। चूंकि शंकरगढ़ ब्लॉक में एकमात्र 108 एम्बुलेंस अन्य घायलों को लाने के लिए मनोहरपुर गई हुई थी, इसलिए दूसरे ब्लॉक से 108 एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि दुर्घटना के समय सभी गंभीर मरीजों को तत्काल उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता थी। अतिरिक्त एम्बुलेंस की प्रतीक्षा करने पर मरीजों के जीवन को गंभीर खतरा हो सकता था। ऐसी आपातकालीन परिस्थितियों में चिकित्सकों ने मरीजों के हित को सर्वोपरि रखते हुए, आवश्यक चिकित्सकीय निगरानी, पर्याप्त व्यवस्था एवं परिजनों की उपस्थिति में तीन गंभीर मरीजों को एक ही एम्बुलेंस से सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज, अंबिकापुर रेफर किया।

उन्होंने बताया कि घटना के दौरान कुल दो 108 एम्बुलेंस सक्रिय रूप से संचालित की गईं। एक एम्बुलेंस मनोहरपुर से घायलों को सीएचसी शंकरगढ़ लाने में लगी थी, जबकि दूसरे ब्लॉक से उपलब्ध कराई गई, दूसरी एम्बुलेंस में गंभीर मरीजों को मेडिकल कॉलेज, अंबिकापुर भेजा गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी कि तीन मरीजों को एक ही एम्बुलेंस से रेफर करने का निर्णय पूरी तरह आपातकालीन परिस्थितियों, मरीजों की गंभीर स्थिति तथा समय पर जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया गया था। जहां सभी मरीजों को सुरक्षित रूप से मेडिकल कॉलेज, अंबिकापुर पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया।

सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के तहत सर्वे कार्य प्रारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत विशेष सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसके माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना तथा योजनाओं से वंचित परिवारों की पहचान कर उन्हें लाभान्वित किया जाएगा।

इसी कड़ी में जनपद पंचायत रामचंद्रपुर में सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत विशेष सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया। अभियान के तहत जनपद पंचायत रामचंद्रपुर अंतर्गत सभी 94 ग्राम पंचायतों में घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। सर्वेक्षण के माध्यम से केंद्र एवं राज्य शासन की 31 हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी संकलित की जा रही

है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र नागरिक शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

अभियान के अंतर्गत गैप एनालिसिस भी किया जा रहा है। इसके माध्यम से वंचित पात्र परिवारों की पहचान की जाएगी। साथ ही लाभ नहीं मिलने के कारणों का विश्लेषण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र योजनाओं से जोड़ा जा सके।

सर्वेक्षण कार्य को प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से संचालित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर सचिव, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिनों की संयुक्त टीम गठित की गई है, जो घर-घर पहुंचकर जानकारी एकत्रित कर रही है। साथ ही क्लस्टर एवं विकासखंड स्तर पर नोडल अधिकारियों के माध्यम से सर्वे कार्य की सतत निगरानी की जा रही है।

सर्वे के दौरान रोजगार, राशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी संकलित की जा रही है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके।

अभियान की प्रगति का जायजा लेने के लिए जनपद पंचायत सीईओ श्री रणवीर साय ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर सर्वे कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मैदानी अमले को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से सर्वे पूर्ण करने तथा प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विभिन्न विभागों में सेवा दे रहे 127 लौटे स्कूल, 'पावर अटैचमेंट' पर खामोशी

शिक्षा विभाग पर उठे बड़े सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश पर यहां की जिला शिक्षा अधिकारी ने संलग्नीकरण समाप्त करते हुए 127 शिक्षकों और लिपिकों को उनकी मूल पदस्थापना पर भेजने का आदेश जारी कर दिया। पहली नजर में यह कार्रवाई शासन के निदेर्शों के पालन जैसी दिखती है, लेकिन इसके साथ ही विभाग की चयनात्मक कार्यप्रणाली और दोहरे मापदंड पर गंभीर सवाल भी खड़े हो गए हैं। आरोप है कि जहां सामान्य कर्मचारियों का संलग्नीकरण समाप्त कर दिया

गया, वहीं वर्षों से रसूख के दम पर विभिन्न कार्यालयों में जमे प्रभावशाली कर्मचारियों को अब तक नहीं हटाया गया। लोक शिक्षण संचालनालय, छत्तीसगढ़ ने स्कूल शिक्षा मंत्री के निर्देश पर स्पष्ट आदेश जारी किया था कि विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए सभी प्रकार के संलग्नीकरण तत्काल समाप्त किए जाएं। इसी आदेश के पालन में 14 जुलाई को 127 कर्मचारियों को कार्यमुक्त कर मूल शालाओं में भेजा गया लेकिन सवाल यह है कि यदि शासन का आदेश सभी पर समान रूप से लागू है, तो फिर विधायक, सांसद एवं मंत्री कार्यालयों, विभिन्न विभागों, ट्राइबल विभाग, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों तथा मंडल संयोजक जैसे पदों पर वर्षों से संलग्न शिक्षकों को अब तक क्यों नहीं हटाया गया।

पावर अटैचमेंट' पर मेहरबानी बरकरार

जिले में कई शिक्षक लंबे समय से गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगे हुए हैं। इससे विद्यालयों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है, जबकि शासन का उद्देश्य शिक्षकों को पुनः स्कूलों में भेजकर शिक्षा व्यवस्था मजबूत करना है। ऐसे में प्रभावशाली कर्मचारियों को नियमों से बाहर रखने पर सवाल उठना स्वाभाविक है। शिक्षा विभाग के एक लिपिक का मामला भी एक बार फिर चर्चा में है। पूर्व में एसडीएम कार्यालय में संलग्नीकरण को लेकर विवाद और समाचार प्रकाशित के बाद उन्हें वहां से हटाया गया था, लेकिन मूल पदस्थापना भेजने के बजाय उन्हें कलेक्टर कार्यालय में संलग्न कर दिया गया। अब जबकि नई कलेक्टर ने संलग्नीकरण पर सख्त रुख अपनाया है, तब भी उनका मामला जस का तस बने रहने पर विभागीय कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। जिले के 127 कर्मचारियों को मूल पदस्थापना भेजने के बाद भी यदि विभिन्न कार्यालयों में प्रभावशाली कर्मचारी संलग्न बने हुए हैं, तो क्या शिक्षा विभाग शासन के आदेश का पूर्ण पालन मान सकता है। जिला प्रशासन इस पूरे मामले की समीक्षा कर शेष संलग्नीकरण भी समाप्त कराएंगी, या फिर प्रभाव और पहुंच के आगे नियमों का पालन अधूरा ही रहेगा।

तीन भालुओं ने हमला कर ग्रामीण को किया जख्मी, अस्पताल में चल रहा उपचार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। क्षेत्र में भालुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। जंगल से लगे गांवों में रहने वाले ग्रामीण हर दिन भय के साये में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। शुक्रवार को एक बार फिर भालुओं के हमले से एक वृद्ध जख्मी हो गया है। बताया गया है कि ग्राम कछवारी का 55 वर्षीय शिवरतन सिंह कृषि कार्य से ग्राम खोहीर गया हुआ था। जहाँ से दोपहर बाद वह पैदल अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान जब वह रेडिया नदी के समीप जंगल वाले रास्ते से गुजर रहे था तभी अचानक झाड़ियों से निकले तीन भालू ने शिवरतन पर हमला कर दिया। भालुओं से संघर्ष कर किसान ने किसी तरह अपनी जान तो बच ली मगर इस हादसे में वे गम्भीर रूप से जख्मी जो गए और लहुंलुहान हो अपने गांव पहुंचे। तत्काल ग्रामीणों की मदद से 108 एंबुलेंस बुलाई गई। इसके बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। उनकी गंभीर चोटों को देखते हुए डॉक्टरों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। घटना के बाद कछवारी, खोहीर और आसपास के गांवों के लोगों में भारी दहशत है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से जंगल से निकलकर भालू आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं। खेतों में काम करने वाले किसान, जंगल से लकड़ी और चारा लाने वाले ग्रामीण तथा मवेशी चराने जाने वाले लोगों को हर समय जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद वन विभाग की ओर से स्थायी सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

उड़ा स्कूल में लगा शेड, कमरे में भर रहा बारिश का पानी, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओड़गी जनपद क्षेत्र के ग्राम खर्रा स्थित प्राथमिक शाला भवन का शेड उड़ जाने से बच्चों की पढ़ाई पर संकट गहरा गया है। बारिश के दौरान छत से पानी सीधे कक्षाओं में टपक रहा है, जिससे छात्र-छात्राओं को असुरक्षित माहौल में पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, विकासखंड शिक्षा अधिकारी तथा थाना प्रभारी ओड़गी को ज्ञापन

सौंपकर तत्काल मरम्मत की मांग की है। पूर्व अध्यक्ष दैनिक वेतनभोगी ब्लॉक इकाई ओड़गी उग्रसेन कुमार गुर्जर के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि स्कूल का खप्पर उड़ जाने के बाद से भवन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। बारिश के कारण कक्षाओं में पानी भर जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने सात दिनों के भीतर स्कूल भवन की मरम्मत शुरू कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि समय सीमा में कार्य शुरू नहीं होने पर समस्त ग्रामवासी आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोतीलाल राजवाड़े ने बताया कि मामले की जानकारी कलेक्टर तथा आरईएस विभाग को भेज दी गई है। संबंधित विभाग से जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराने का आश्वासन मिला है और आवश्यक कार्रवाई शीघ्र कराई जाएगी।

जशपुर की सभी 44 सहकारी समितियां बनेंगी कॉमन सर्विस सेंटर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।जशपुर जिले में ग्रामीणों को डिजिटल सेवाएं गांव स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जशपुर जिले की सभी 44 सहकारी समितियों को चरणबद्ध तरीके से कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी, बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं के लिए शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। जिला पंचायत जशपुर के सभागार में कॉमन सर्विस सेंटर संचालन एवं

डिजिटल सेवाओं के विस्तार को लेकर विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रायपुर से आए राज्य परियोजना प्रबंधक श्री सुरेन्द्र कुमार दास ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों, समिति प्रबंधकों, कम्प्यूटर ऑपरेटरों एवं कर्मचारियों को सीएससी संचालन, डिजिटल सेवाओं के विस्तार तथा लैम्प्स के माध्यम से सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में बताया गया कि सीएससी के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को आधार आधारित सेवाएं, बिजली एवं पानी के बिलों का भुगतान, मोबाइल और डीटीएच रिचार्ज, बैंकिंग एवं बीमा सेवाएं, डिजिटल भुगतान, किसान हितग्राही सेवाएं तथा विभिन्न ई-गवर्नेंस सेवाओं सहित 20 से अधिक डिजिटल सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि पैक्स पुनर्गठन-2025 के बाद जशपुर जिले में 20 नई सहकारी समितियों का गठन किया गया है। राज्य शासन की प्राथमिकता इन समितियों को बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित करना है, जिससे समितियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित होंगे और ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सहजता से उपलब्ध हो सकेंगी।

विधानसभा में मंत्री लक्ष्मी ने महतारी वंदन योजना पर उठे सवालों का तथ्यों से दिया जवाब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार की छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने महतारी वंदन योजना और विभागीय योजनाओं को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का विस्तार से जवाब दिया। ई-केवाईसी, हितग्राहियों की पात्रता, भुगतान प्रक्रिया और आंकड़ों में अंतर जैसे मुद्दों पर उन्होंने सदन के समक्ष विस्तृत तथ्य और अद्यतन आंकड़े रखे। ई-केवाईसी को लेकर सदन में उठे प्रश्नों का जवाब देते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि केवल ई-केवाईसी लंबित होने के आधार पर किसी भी पात्र महिला को योजना से बाहर नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। जिन हितग्राहियों की प्रक्रिया निर्धारित अवधि के बाद पूरी होगी, उन्हें लंबित महीनों की सहायता राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी।

मंत्री ने बताया कि योजना के प्रभावी संचालन और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हितग्राहियों के रिकॉर्ड का लगातार सत्यापन किया जा रहा है। जुलाई 2026 तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 40,764 अपात्र और 1,23,700

मृत हितग्राहियों सहित कुल 1,64,464 नाम भुगतान सूची से हटाए गए हैं। इसके बाद प्रदेश में 68,70,471 महिलाएं योजना के लिए पात्र हैं।।भुगतान संबंधी आंकड़ों में अंतर को लेकर उठे सवालों पर श्रीमती राजवाड़े ने सदन को बताया कि जून 2026 में 68,89,933 महिलाएं भुगतान के लिए पात्र थीं, जबकि 68,54,003 हितग्राहियों के खातों में राशि भेजी गई। दोनों आंकड़ों के बीच 35,930 का अंतर तकनीकी कारणों से रहा। इनमें 29,700 हितग्राहियों की ई-केवाईसी लंबित थी, 2,972 मामलों में राज्य से बाहर के बैंक खातों का परीक्षण जारी था, 2,939 हितग्राही सत्यापन के दौरान पते पर नहीं मिले या संपर्क से बाहर थे, जबकि 319 मामलों में अधिक भुगतान के समायोजन की प्रक्रिया चल रही थी। सदन में चर्चा के दौरान मंत्री ने यह भी बताया कि दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की महिलाओं को भी योजनाओं से जोड़ने के प्रयास लगातार जारी हैं। 'नियद नेल्लानार' अभियान के तहत लगाए गए विशेष शिविरों के माध्यम से मार्च 2026 तक 7,775 नई पात्र महिलाओं का पंजीयन किया गया, जिससे इन क्षेत्रों में भी योजना का दायरा बढ़ा है। चर्चा के अंत में श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र महिला तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि तकनीकी कारणों से किसी भी पात्र हितग्राही का अधिकार प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा और विभाग योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आए दो बैलों की मौत, बाल-बाल बचा पशुपालक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम बैजनपाठ में शुक्रवार दोपहर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो मवेशियों की मौत हो गई। घटना के समय मवेशी मालिक आत्माराम साकेत कुछ दूरी पर बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़ा था, जिससे वह बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार, आत्माराम साकेत रोजाना की तरह शुक्रवार को भी अपने दोनों बैलों को चराने गांव से लगे जंगल में गया था। दोपहर लगभग 12 बजे अचानक

मौसम ने करवट ली और तेज हवा के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। इस बीच अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में दोनों बैल आ गए और दोनों बैलों की मौत हो गई। घटना के दौरान आत्माराम बैलों से कुछ दूरी पर बारिश से बचने के लिए खड़े थे। जब वे मौके पर पहुंचे तो दोनों बैल मृत पड़े थे।सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे।बताया गया है कि किसान प्रतिदिन की तरह बैलों को चराने जंगल गया था, जहाँ यह हादसा हो गया। बैल ही परिवार की खेती-किसानी का मुख्य सहारा थे। दोनों बैलों की मौत से परिवार को आर्थिक क्षति हुई है। घटना की सूचना संबंधित विभाग को दे दी गई है। ग्रामीणों और परिजनों ने प्रशासन से प्राकृतिक आपदा के तहत शीघ्र आर्थिक सहायता एवं मुआवजा की मांग की है, ताकि किसान को हुए नुकसान की कुछ भरपाई हो सके।

जिले के नवपदस्थ एसपी योगेश पटेल ने संभाला पदभार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने शुक्रवार को यहां जिला पुलिस कार्यालय में विधिवत अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों तथा पुलिस कार्यालय के समस्त शाखा प्रभारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। इस दौरान सभी ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र एवं दायित्वों से अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक श्री पटेल 2018 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं। इसके पूर्व वे पुलिस अधीक्षक जिला अम्बिकापुर, गौरेला पेण्ड्रा-मरवाही व जिला बालोद में अपनी सेवाएँ दी है। स्वागत एवं परिचयात्मक बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी,

डीएसपी अजाक रीता नीलम कुजूर, सभी थाना-चौकी प्रभारी व जिला पुलिस कार्यालय के शाखा प्रभारी मौजूद रहे।पुलिस अधीक्षक ने परिचयात्मक बैठक के उपरांत जिले की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, आगामी चुनौतियों, यातायात व्यवस्था, भौगौलिक, राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों, सड़क दुर्घटनाओं, ब्लैक स्पोर्ट, अनसुलझे मामले, शिकायत निराकरण की स्थिति सहित विभिन्न जानकारियां पुलिस राजपत्रित अधिकारी व थाना चौकी प्रभारियों से ली। उन्होंने प्रभारियों को कहा कि सड़क दुर्घटना रोकने के हरसंभव प्रयास व उपाए कराए, इस दिशा में पुलिस के कार्य और प्रयास दिखनी चाहिए, सड़क दुर्घटनाएं कम इसके हर संभव प्रयास होनी चाहिए।मालवाहक वाहन में सवारी परिवहन पर सख्ती से कार्रवाई की जाए, एनएच व अन्य मार्गो में ब्रेकडाउन ट्रक व अन्य भारी वाहन खड़ा न हो यह सुनिश्चित कराने ट्रांसपोर्टरों और वाहन मालिकों की बैठक ली जाए।उन्होंने कहा कि जिले में अवैध कार्यो पर पूर्णतः अंकुश लगाए, नागरिकों की सुरक्षा और पुलिस पर उनका भरोसा मजबूत बनाए रखने निष्पक्षता से कार्रवाई करें, पीड़ित, फरियादी की शिकायत को गंभीरतापूर्वक सुना जाए और फौरन कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुराने और अनसुलझे मामलों में गंभीरतापूर्वक विवेचना कर निकाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आपदा से बचाव हेतु केनापारा पोखरी में बाढ़ बचाव दल ने किया मॉक ड्रिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संभावित प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत केनापारा स्थित पोखरी में बाढ़ बचाव एवं अग्निशमन दल द्वारा कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा की स्थिति में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का पूर्वाभ्यास किया गया। अभ्यास के दौरान आपदा प्रबंधन दल को एक व्यक्ति के पोखरी में डूबने कीकाल्पनिक सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दल ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए मोटरबोट, गोताखोरों एवं आवश्यक बचाव उपकरणों के साथ घटनास्थल पहुंचकर राहत

अभियान प्रारंभ किया। निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने सफलतापूर्वक डूब रहे व्यक्ति का सुरक्षित रेस्क्यू किया। इस दौरान दल द्वारा आपदा प्रबंधन में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों के संचालन एवं उनकी उपयोगिता की भी जानकारी दी गई।मॉक ड्रिल के दौरान विशेषज्ञों ने उपस्थित नागरिकों को बताया कि आपदा की स्थिति में घर में उपलब्ध सामान्य संसाधनों का उपयोग कर किस प्रकार प्रारंभिक स्तर पर स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा की जा सकती है। साथ ही आपदा के समय सतर्कता, संयम और सही निर्णय के महत्व से भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि आपदा के समय नागरिकों की सावधानी ही उनकी सबसे बड़ी सुरक्षा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय संयम बनाए रखें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा निदेर्शों का पालन करें। उन्होंने बताया कि जिले में संभावित बाढ़ एवं अन्य आपदाओं से निपटने के लिए बाढ़ बचाव दल की तैनाती की गई है तथा नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जहां आवश्यकता पड़ने पर तत्काल संपर्क किया जा सकता है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से जलभराव वाले क्षेत्रों, नदी नालों, तालाबों, पर्यटन स्थलों एवं झरनों के समीप अनावश्यक रूप से जाने तथा सेल्फी लेने से बचने की अपील करते हुए कहा कि थोड़ी-सी सावधानी किसी भी अप्रिय घटना से बचाव का प्रभावी माध्यम बन सकती है। इस अवसर पर जिला पंचयात के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले, जिला सेनानी संजय गुप्ता, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

आपदा नियंत्रण कक्ष स्थापित

मानसून के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए संयुक्त जिला कार्यालय, सूरजपुर में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07775-266116 है तथा इसके नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा हैं। किसी भी आपदा या आपात स्थिति की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम में देकर प्रशासन का सहयोग करें।

सम्पादकीय

रथयात्रा में कुशल प्रबंधन के साथ सतर्कता जरूरी

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत और 100 से अधिक लोगों का घायल होना एक ताजा खबर है, लेकिन हम लोग ऐसी खबरें लगातार सुनते रहते हैं। इन बड़े आयोजनों में अक्सर ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों की श्रद्धा को देखते हुए यह तो नहीं कहा जा सकता कि ऐसे आयोजनों में नहीं जाएं, लेकिन ऐसे कार्यक्रमों में जाते समय सावधानी और सतर्कता जरूरी है। धार्मिक आस्था भारत की सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति है। हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थस्थलों, मेलों और धार्मिक जुलूसों में भाग लेते हैं। जब श्रद्धा के साथ सुव्यवस्थित प्रबंधन नहीं जुड़ता, तब यही आयोजन बड़े हादसों का कारण बन जाते हैं। पुरी की ताजा घटना एक बार फिर यही संदेश देती है कि भीड़ प्रबंधन केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन बचाने की पहली शर्त है। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान पहाड़ी रस्म के समय अचानक बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथों के करीब पहुंचने लगे। वॉलेंटियर भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन धक्का-मुक्की के कारण भगदड़ जैसे हालात बन गए। इस हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल या बेहोश हो गए। तेज बारिश के बावजूद लगभग 10 लाख श्रद्धालु यात्रा मार्ग पर मौजूद थे। यह घटना बताती है कि केवल सुरक्षा बलों की तैनाती पर्याप्त नहीं होती, बल्कि भीड़ के प्रवाह को वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित करना भी उतना ही आवश्यक है। दुर्भाग्य से यह कोई पहली घटना नहीं है। मार्च 2026 में बिहार शरीफ के माता शीतला मंदिर में अष्टमी मेले के दौरान भगदड़ में आठ महिलाओं की जान चली गई थी। फरवरी 2025 में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों का इंतजार कर रही भीड़ अनियंत्रित हो गई, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई। जुलाई 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में आयोजित एक सत्संग में मची भीषण भगदड़ ने 100 से अधिक लोगों की जान ले ली। ये घटनाएं अलग-अलग स्थानों की जरूर हैं, लेकिन इनकी वजह लगभग एक जैसी रही अनियंत्रित भीड़, अपर्याप्त प्रबंधन और समय रहते प्रभावी हस्तक्षेप का अभाव। हर बड़े धार्मिक आयोजन से पहले प्रशासन को केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि व्यापक आपदा प्रबंधन योजना भी तैयार करनी चाहिए। श्रद्धालुओं की संख्या का वास्तविक आकलन, प्रवेश और निकास के अलग-अलग मार्ग, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की पर्याप्त तैनाती जैसे कदम अनिवार्य होने चाहिए। भीड़ को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना और एक स्थान पर अत्यधिक लोगों के एकत्र होने से रोकना सबसे प्रभावी उपायों में शामिल है। हालांकि केवल प्रशासन पर जिम्मेदारी डालकर समस्या का समाधान नहीं होगा। श्रद्धालुओं की भी समान जिम्मेदारी है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, धक्का-मुक्की से बचें, प्रशासन और स्वयंसेवकों के निर्देशों का पालन करें। थोड़ी-सी असावधानी सैकड़ों परिवारों की खुशियां छीन सकती है। हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं और भविष्य में सुधार के वादे किए जाते हैं, लेकिन यदि इन सिफारिशों को धरातल पर लागू नहीं किया गया तो ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी। सरकारों की संवेदनशीलता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन सुरक्षा प्रबंधन की निरंतर समीक्षा और जवाबदेही तय करना भी उतना ही जरूरी है।

अर्थव्यवस्था
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

ईरान युद्ध से बढ़ी आर्थिक चुनौतियां

अमेरिका-ईरान सैन्य टकराव और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। महंगाई और बाजार जोखिमें बढ़ गई हैं। बढ़ते आयातों के कारण भारत का व्यापार घाटा चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार देश का व्यापार घाटा जून में पिछले 5 महीनों के उच्चतम स्तर 30.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस समय एक और बड़ी चिंता अमेरिका की ओर से आते हुए दिखाई दे रही है। 15 जुलाई को अमेरिका में दोनों दलों के सीनेटरों के एक समूह ने रूस पर प्रतिबंध विधेयक का संशोधित मसौदा पेश किया है, जिसमें रूस के कच्चे तेल एवं गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इन पांच खरीदारों में भारत भी शामिल है। ऐसे में एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर की चुनौती है।

अमेरिका-ईरान सैन्य टकराव और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। महंगाई और बाजार जोखिमें बढ़ गई हैं। बढ़ते आयातों के कारण भारत का व्यापार घाटा चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार देश का व्यापार घाटा जून में पिछले 5 महीनों के उच्चतम स्तर 30 .43 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस समय एक और बड़ी चिंता अमेरिका की ओर से आते हुए दिखाई दे रही है। अमेरिका में दोनों दलों के सीनेटरों के एक समूह ने रूस पर प्रतिबंध विधेयक का संशोधित मसौदा पेश किया है, जिसमें रूस के कच्चे तेल एवं गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इन पांच खरीदारों में भारत भी शामिल है।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए इस वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व में निर्धारित की गई 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। हालांकि इस समय भारत आपूर्ति चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है, फिर भी चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत तक ले जाने के लिए रणनीतिपूर्वक नए आर्थिक उपायों के साथ आगे बढ़ना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। निसंदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच-बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। उल्लेखनीय है कि सरकार इन आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ते हुए दिखाई भी दे रही है। हाल ही में 15 जुलाई को केंद्रीय कैबिनेट ने आयात घटाने और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए 2.19 लाख करोड़ रुपये से अधिक के फैसलों को मंजूरी दी है। देश की उर्वरक आयात पर निर्भरता कम करने के लिए फैसले को मंजूरी मिली है। इसके तहत नए गैस-आधारित यूरिया संयंत्रों के लिए घरेलू निवेश को आकर्षित किया जाएगा। चिप और इलेक्ट्रॉनिक्स मिशन के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप के भारी आयात को कम करने के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये के बजट के साथ इस मिशन के दूसरे चरण को मंजूरी दी गई है, ताकि देश को वैश्विक केंद्र बनाया जा सके। मोबाइल फोन निर्माण अभियान के तहत विदेशी फोन पर निर्भरता खत्म करने के लिए 62,500 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत की गई है।

अभी आर्थिक चुनौतियों के चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक रणनीतिक ढंग से उपयोग में लाना

होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। तेल की वैश्विक कीमतों में फिर से आए उछाल के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा। वैश्विक संकट के समय निजी निवेश में सुस्ती आना स्वाभाविक है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं-जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। भारत को अपनी निवेश नीतियों को और अधिक सरल बनाकर वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करना होगा। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भी ढाल बनाना होगा। अप्रैल-मई 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा है। वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत द्वारा तेजी से बढ़ाए जा रहे 'मुक्त व्यापार समझौते' नए बाजार खोलने में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले साबित हो रहे हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, भारत आगामी 10 महीनों में 9 नए व्यापार समझौतों को धरातल पर उतारने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि 15 जुलाई का दिन भारत और ब्रिटेन के आर्थिक एवं व्यापारिक इतिहास में एक स्वर्णिम दिन के रूप में दर्ज हो गया है। इस दिन दोनों देशों के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित और कई दौर की बेहद जटिल वार्ताओं के बाद तैयार किया गया ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू हुआ है, जिसे व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीटा) कहा गया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जिस ब्रिटेन ने कभी भारत पर लंबे समय तक शासन किया था, उसी ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था का आज भारत एक बड़ा रणनीतिक साझेदार बन गया है।

यह मुक्त व्यापार समझौता ऐसे समय में लागू हुआ है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रही है। ऐसे में भारत और ब्रिटेन का एक साथ आना दोनों देशों के आर्थिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। वर्तमान में भारत और ब्रिटेन के बीच वस्तुओं तथा सेवाओं का कुल सालाना व्यापार 55 से 60 अरब डॉलर मूल्य का है, जिसे वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। उम्मीद करें कि अब न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए शीघ्र कार्यान्वित होगा। सरकार महंगाई नियंत्रण और सात प्रतिशत विकास दर के लक्ष्य को पाने के मद्देनजर नए सरल श्रम कानूनों के परिपालन, मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभावी क्रियान्वयन, विशाल घरेलू बाजार की ताकत, नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे पर अधिक सरकारी खर्च, खेती- किसानी को प्रभावी सहारा देने के साथ-साथ पेट्रोलियम पदार्थों व जरूरी वस्तुओं की उपयुक्त आपूर्ति की राह पर रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मानसून
योगेश कुमार सोनी

महानगरों में जल-भराव के लिए बने रणनीति

हाल ही के दिनों में देशभर में वर्षा आ रही है। कई जगह बेहद प्रभावित हुई हैं। महानगरों के संदर्भ में बात करें तो हालात बेहद खराब हैं और इस बार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की स्थिति सबसे ज्यादा बेकार है। दिल्ली यमुना नदी खतरे से प्रभावित हो रही है। दिल्ली व मुंबई के कई इलाके इतने जलमग्न हैं कि लोगों के घरों में पानी घुस चुका है और वे बहुत कठिनाइयों के साथ समय निकाल रहे हैं। कोई रिश्तेदार के जा रहा है तो कोई होटल में रुका है और जिसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, वह सड़कों पर डेरा डाले हुए है। दिल्ली को कनेक्ट करने वाले मुख्य मार्ग आईटीओ, लाल किला और रिंग रोड पर भी पानी भरने से दिल्ली पूरी तरह ठप हो गई। राजधानी होने की वजह से एक दिन में ही बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान होता है। बहरहाल, यमुना में बाढ़ का विशेष कारण हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी बताया जाता है। हालांकि इस मामले में सभी राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप मढ़ते दिख रहे हैं। इस मामले पर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। इस तरह के बयान जनता को बेवकूफ बनाने या पल्ला झाड़ने तक को सही है लेकिन यदि इसकी सच्चाई को देखें तो इन दोनों पार्टियों में से किसी एक ने भी इस ओर जरा सा भी काम नहीं किया। चूंकि स्पष्ट है कि हथिनी कुंड बैराज को अपग्रेड करने की बात हो रही है, लेकिन इस ओर एक कदम भी नही बढ़ा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली से यूपी व हरियाणा जाने का सारा रास्ता अवैध प्रॉपर्टियों से बाधित है जिस पर कोई न कुछ कहता है और न ही कुछ करता है। कुल मिलाकर हालात यह हैं कि दिल्ली वालों को अपनी जान व माल की रक्षा व सुरक्षा स्वयं करनी पड़ रही है। इस बार भी देख लिया कि बाढ़ से निपटने की हमारे पास कोई व्यवस्था नही है। कोई भी ऐसा तंत्र या सिस्टम नहीं है जो आकस्मिक स्थिति में लोगों को बचा सके। दिल्ली के सबसे बड़े श्मशान घाट निगमबोध में लोग अपनों की चिता भी नहीं जला पा रहे हैं। चूंकि बाढ़ के पानी से पूरा घाट डूब चुका है, वहीं अस्पतालों में पानी भरने के कारण मरीजों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। दिल्ली की स्थिति को तकनीकी से समझा जाए तो विशेषज्ञों के अनुसार लगभग 20 किलोमीटर की नदी पर पुल के निर्माण के कारण पानी का प्रवाह रुकता है।

यमुना में वजीराबाद से ओखला तक बीस से अधिक पुल 20 किलोमीटर के दायरे में आए पानी के बहाव को बाधित करते हैं। इससे नदी के तल में गाद जमा हो जाती है और रेतीले चट्टानों का निर्माण हो जाता है। यमुना के जलस्तर में बड़े स्तर पर बढ़ने का एक प्रमुख कारण गाद जमना है जिसके कारण पानी में ठहरावट कम हो जाती है और गति बढ़ जाती है। इस वजह से पानी एकदम प्रवाह में आकर अपना रौद्र रूप धारण कर लेता है। इसके अलावा दिल्ली में अपनी क्षमता से अधिक प्रॉपर्टी बन गई रही है जिसकी वजह से पानी की के ठहरने व बहने की जगह खत्म होती जा रही है। हालात यह है कि लोगों ने दिल्ली नगर निगम व सभी संबंधित विभागों से मिलकर तालाब, जोहड़ व अन्य सभी सरकारी खाली जगहों पर बिल्डिंग बना लीं जिससे स्थिति यह है कि दिल्ली में एक इंच जगह भी नहीं बची। नोएडा से दिल्ली जाने वाले डीएनडी एक्सप्रेस-वे पर खादर पर लोगों ने चार मंजिला इमारतें बना ली। सबको यह भलि-भांति पता है कि यह खादर की जगह है और यहां बाढ़ या थोड़ा सा भी पानी का स्तर बढ़ जाने पर जान-माल का खतरा हो सकता है। फिर भी विभागों की मिलीभगत से खुलेआम हर रोज कई प्रॉपर्टी बन जाती हैं। इसके अलावा महानगरों में जंगल के नाम पर कुछ नहीं बचा और जनसंख्या वृद्धि की वजह से जंगलों का विनाश लगातार जारी है। हम इस बात से जानकर भी अंजान बने हुए हैं कि पेड़ हमारी जिंदगी के पर्यायवाची है। जैसा कि हम यह बात बचपन से पढ़ते व समझते आ रहे हैं कि पेड़ों से हमें ऑक्सीजन मिलती है, जो इंसान की जिंदगी के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन हम इस बात को शायद विनाश के बाद ही समझ पाएंगे। दुष्परिणाम अब लगातार देखने को मिल रहे हैं। जंगल, तालाब, झील व अन्य सभी प्राकृतिक स्त्रोत प्रकृति की सबसे बड़ी देन मानी जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में हर साल एक करोड़ हेक्टेयर इलाके के वन काटे जा रहे हैं। अकेले भारत में 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जंगल कट रहे हैं। इस वजह से हर देश के हर राज्य का मौसम प्रभावित होने लगा है। शहरीकरण के लालच व विकास की भूख ने हमारे जीवन से हरियाली को खत्म कर दिया। यदि इस मामले को लेकर शासन-प्रशासन समय से नहीं जागा तो आने वाला समय बेहद खतरनाक व चिंताजनक हो जाएगा, चूंकि प्राकृतिक आपदा संभलने का मौका बार-बार नहीं देती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक है समर्पण

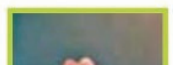

संकलित
दर्शन

समर्पण प्रत्येक प्राणी के लिए अत्यंत आवश्यक भाव है। यही वह भाव है जिसके माध्यम से हम अपने आत्मीय जनों के प्रिय बन सकते हैं। यह स्मरण रहे कि राग, द्वेष, घृणा तथा स्वार्थ का त्याग किए बिना समर्पण की कल्पना व्यर्थ है। हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू में समर्पण का भाव आवश्यक है। समर्पण हमारे लौकिक एवं पारलौकिक दोनों जीवन की उन्नति के लिए आवश्यक है। संबंधों में मधुरता के लिए हमें परस्पर समर्पण भाव रखते हुए रिश्तों का निर्वहन करना होता है। स्वार्थ की दृष्टि से बनाए गए रिश्ते अल्पावधि के उपरांत समाप्त हो जाते हैं। इसी प्रकार लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी समर्पण भाव का होना अत्यंत आवश्यक है। जब हम अपने संपूर्ण समर्पण के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए समर्पित हो जाते हैं, तब कोई भी लक्ष्य हमसे दूर नहीं रहता। समर्पण के साथ-साथ विश्वास का होना भी आवश्यक है। जिस प्रकार एक बीज धरती में रोपित किया जाता है, तो वह संपूर्ण रूप से खुद को धरती मां की गोद में समर्पित कर देता है। तभी उसमें विकास के नए अंकुर फूट पड़ते हैं। भास्कर की किरणों उसे शक्ति प्रदान करती हैं। पवन की शीतलता उसे दुलारती है। मेघ उसका अभिसिंचन करते हैं। इस प्रकार उसे संपूर्ण प्रकृति का सहयोग एवं साहचर्य मिलने लगता है। उसके बाद वह धीरे-धीरे एक संपूर्ण वृक्ष का आकार ले लेता है। एक ऐसे वृक्ष का, जिसके आश्रय में तमाम प्राणी शीतलता प्राप्त करते हैं। यही नहीं, वह वृक्ष सैकड़ों बीजों के जनक होने का गौरव भी प्राप्त करता है।

हमारी लालसाएं और वृत्तियां नहीं बदलती

संकलित
प्रेरणा

एक पेड़ पर दो बाज रहते थे। दोनों अक्सर एक साथ शिकार की तलाश में निकलते और जो भी पाते, उसे शाम को मिल-बांट कर खाते। एक दिन दोनों शिकार के लिए निकले, तो एक को एक सांप मिला और दूसरे को एक चूहा। अपना-अपना शिकार चोंच में दबाए दोनों पेड पर वापस लौटे। दोनों ने अपना शिकार पकडा था और उन्हें बस चोंच में दबा रखा था, इसलिए साँप और चूहा- दोनों ही शिकार तब तक जीवित थे। सांप, चूहे का स्वादिष्ट भोजन पाने के लिए जीभ लपलपाने लगा और चूहा सांप के प्रयत्नों को देखकर अपने ही शिकारी बाज के डैनों में छिपने का उपक्रम करने लगा। दूसरे ने उससे पूछा, दोस्त! यह दार्शनिकों की तरह किस चिंतन में डूब गए? पहले बाज ने अपने पकड़े हुए सांप की ओर संकेत करते हुए कहा, देखते नहीं यह कैसा मूर्ख प्राणी है। जीभ की लिप्सा के आगे इसे अपनी मौत का विस्मरण हो रहा है। तब दूसरे बाज ने अपने चूहे की ओर देखते हुए कहा, यह भी तो उतना ही नासमझ है। भय इसे प्रत्यक्ष मौत से भी अधिक डरावना लगता है। पता है कि अगले ही पल मेरा निवाला बनने वाला है, तब भी साँप को देख कर मेरे डैनों में छुपने की कोशिश कर रहा है। वहीं पेड़ के नीचे एक मुसाफिर बैठा सुस्ता रहा था। उसने दोनों बाजों की बात सुनी और सोचने लगा, हम मनुष्यों की दशा भी इसी सांप और चूहे की तरह है। अंतिम क्षणों तक जीवन की आशा नहीं छूटती और न हमारी लालसाएं और वृत्तियां ही बदलती हैं।

सह अस्तित्व और मानवीय गरिमा पर कुरआन का दृष्टिकोण

सैय्यद जाहिद अली रियासत

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी का देश है, जो दुनिया के सबसे अधिक धार्मिक विविधता में एकता और एकता में अनेकता लिए हुए है इस समुदाय के लिए मानवीय गरिमा और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का कुरआनी दृष्टिकोण कोई अमूर्त धार्मिक सिद्धांत नहीं, बल्कि अनेक धर्मों, भाषाओं और परंपराओं वाले देश में दैनिक जीवन का जीवंत मार्गदर्शक है। ऐसे समय में, जब सार्वजनिक विमर्श अक्सर एकता के आधार तलाशता है, यह उचित है कि हम स्वयं कुरआन की ओर लौटकर देखें कि वह प्रत्येक मनुष्य के सम्मान और सौहार्दपूर्वक साथ रहने के दायित्व के बारे में क्या कहता है। कुरआन मानव गरिमा की चर्चा किसी विशेष समुदाय से नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता से आरंभ करता है। सूरह अल-इस्रा में अल्लाह फरमाता हैः ﴾और निश्चय ही हमने आदम की संतान को सम्मान प्रदान किया, उन्हें स्थल और जल पर सवारी दी, उन्हें पाक और उत्तम रोजी प्रदान की, और अपनी बहुत-सी सृष्टि पर उन्हें श्रेष्ठता दी।﴿ (17:70) मुफस्सिरों (व्याख्याकारों) ने लंबे समय से इस बात पर बल दिया है कि यह सम्मान प्रत्येक मनुष्य को केवल इंसान होने के नाते प्राप्त है, चाहे उसका धर्म, जाति, नस्ल या सामाजिक दर्जा कुछ भी हो। इस दृष्टि से गरिमा धन, वंश या शक्ति से अर्जित नहीं होती, बल्कि समस्त मानवता को सृष्टिकर्ता द्वारा जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में प्रदान की गई है। इसका अर्थ है कि मानव जीवन और मानव सम्मान का आदर इस स्वीकार से आरंभ होता है कि प्रत्येक व्यक्ति ईश्वर-प्रदत्त गरिमा का वाहक है। साझी मानवीय गरिमा की यही अवधारणा आगे सूरह अल-हुजुरात में और स्पष्ट होती है, जहाँ कुरआन केवल मुसलमानों से नहीं, बल्कि समस्त मानवता से संबोधित होकर कहता हैः

हे लोगो! हमने तुम्हें एक पुरुष और एक स्त्री से पैदा किया और तुम्हें विभिन्न जातियों और कबीलों में इसलिए विभाजित किया ताकि तुम एक-दूसरे को पहचानो। निस्संदेह, अल्लाह की दृष्टि में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वही है जो सबसे अधिक धर्मपरायण है। (49:13)

जाने माने व्याख्याकार इब्न कसीर ने स्पष्ट किया है कि यह आयत वंश, कबीले, रंग या राष्ट्रीयता के आधार पर होने वाले अहंकार को समाप्त करने के लिए अवतरित हुई। यह आयत स्पष्ट करती है कि वास्तविक श्रेष्ठता जन्म या पृष्ठभूमि में नहीं, बल्कि धर्मपरायणता और उत्तम आचरण में निहित है। कुरआन दूसरों के धार्मिक विश्वास की स्वतंत्रता के विषय में भी अत्यंत स्पष्ट है। सूरह अल-बकरह में कहा गया हैः

'धर्म के विषय में कोई जबरदस्ती नहीं है, क्योंकि सत्य असत्य से स्पष्ट हो चुका है।' (2:256)

सदियों से विद्वानों ने इसे एक स्थायी सिद्धांत के रूप में समझा है कि किसी भी व्यक्ति को किसी धर्म को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, क्योंकि ईमान दिल और अंतरात्मा का विषय है। धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक वचन पर आधारित भारत जैसे देश में यह कुरआनी सिद्धांत ﴾सर्व धर्म समभाव﴿ की भारतीय सभ्यतागत भावना से गहरा सामंजस्य रखता है।

सिर्फ.सहिष्णुता तक सीमित न रहकर, कुरआन उन लोगों के प्रति सक्रिय सद्भावना और न्याय का आह्वान करता है जो अन्य धर्मों से संबंध रखते हुए भी शांतिपूर्वक साथ रहते हैं। सूरह अल-मुम्तहना में कहा गया हैः

अल्लाह तुम्हें उन लोगों के साथ भलाई और न्याय करने से नहीं रोकता जिन्होंने धर्म के कारण तुमसे युद्ध नहीं किया और न तुम्हें तुम्हारे घरों से निकाला। निस्संदेह, अल्लाह न्याय करने वालों से प्रेम करता है। (60:8)

यह आयत केवल सह-अस्तित्व तक सीमित नहीं रहती, बल्कि अन्य धर्मों के पड़ोसियों के प्रति सदाचार, निष्पक्षता और करुणा का सकारात्मक दायित्व निर्धारित करती है। तभी कहा जाता ही कि अल्लाह कभी तुमसे खुश नहीं होगा अगर तुम्हारा पड़ोसी भूखा हो, अल्लाह ने सभी को बराबर का दर्जा दिया है, जो कपड़े तुम खुद के लिए खरीद रहे हो वही कपड़े जिसे दे रहे हो उसे भी दो उससे कम दर्जे का ना हो, भारत के गाँवों, मोहल्लों और मिश्रित बस्तियों में, जहाँ हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी अक्सर एक ही सड़क, एक ही विद्यालय तथा जीवन के सुख-दुःख साझा करते हैं, यह शिक्षा विशेष रूप से सार्थक है। वास्तव में भारतीय मुसलमानों ने सदियों से इस कुरआनी नैतिकता को देश की साझा सांस्कृतिक विरासत में जीवंत रखा है। भारत के विभिन्न भागों में पहुँचे सूफी संतों–विशेषकर अजमेर के ख़्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी –ने करुणा और सर्वसमावेशी प्रेम की ऐसी परंपरा स्थापित की जिसने हर पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत किया।

आज भी अजमेर शरीफ दरगाह, जिसका प्रशासन दरगाह ख़्वाजा साहब अधिनियम, 1955 के अंतर्गत भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अधीन संचालित होता है, इस विरासत को आगे बढ़ा रही है। यह प्रतिवर्ष विभिन्न धर्मों के लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत करती है तथा सामुदायिक भोजन, रमजान के दौरान निःशुल्क भोजन, तीर्थयात्रियों के लिए चिकित्सा सहायता, विधवाओं, निराश्रित महिलाओं और जरूरतमंद विद्यार्थियों के सहयोग जैसी अनेक लोककल्याणकारी सेवाएँ प्रदान करती है। यह इस बात का समकालीन और सरकारी अभिलेखों से प्रमाणित उदाहरण है कि इस्लामी परंपरा से जुड़े सूफी संस्थानों ने विभिन्न आस्थाओं के बीच खुलेपन, सेवा और साझा अपनत्व की संस्कृति को कैसे पोषित किया है। यही भावना उस व्यापक सांस्कृतिक परंपरा में भी दिखाई देती है जिसे सामान्यतः ﴾गंगा-जमुनी तहजीब﴿ कहा जाता है। उत्तर भारत की इस साझा संस्कृति में हिंदू और मुसलमान पीढ़ियों से एक-दूसरे के त्योहारों में सहभागी रहे हैं, कव्वाली जैसी कलात्मक परंपराओं को मिलकर विकसित किया है और शिष्टाचार तथा पारस्परिक सम्मान की एक साझा संस्कृति का निर्माण किया है। भारत सरकार का अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, जिसकी स्थापना अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण और विकास के उद्देश्य से की गई है, आज भी ऐसी संस्थाओं और पहलों का समर्थन करता है। यह भारत की उस संवैधानिक प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है जो बहुलतावादी, समावेशी समाज की स्थापना के लिए समर्पित है और जिसमें कुरआन के उपर्युक्त मूल्य स्वाभाविक रूप से अपना स्थान पाते हैं। भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए ये कुरआनी शिक्षाएँ केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र के सामूहिक जीवन में उनका एक महत्त्वपूर्ण योगदान भी हैं। ये शिक्षाएँ प्रत्येक आस्तिक को प्रेरित करती हैं कि वह मानवीय गरिमा को सार्वभौमिक माने, समुदायों के बीच के भेदों को विभाजन नहीं बल्कि पारस्परिक परिचय और समझ का अवसर समझे, प्रत्येक व्यक्ति की अंतरात्मा और धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करे तथा हर धर्म के पड़ोसी के साथ न्याय, करुणा और सद्भाव का व्यवहार करे। विविधता में एकता पर गर्व करने वाले भारत में इन कुरआनी सिद्धांतों का पालन करना केवल धार्मिक कर्तव्य ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण नागरिक योगदान भी है। यह इस सत्य की याद दिलाता है कि सच्ची आस्था और वास्तविक सह-अस्तित्व सदैव एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। एक दूसरे के सहायक और मददगार रहे हैं, विविधता में एकता और प्रेम का संदेश देता है कुरआन का दृष्टिकोण,

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०-/अ-27/2024-25
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश बौरी आ. मदन मोहन बौरी निवासी मकान नंबर 904 बी विंग एवरसाईन ग्रीन रेडवुड न्यू लिंक रोड, अंधेरी बेस्ट मुंबई महाराष्ट्र के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 5014/2 रकबा 0.210 हे. भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 22/07/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आदज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

बिम्सटेक देशों के बीच सहयोग और सुरक्षा मजबूत करने पर जोर

डोभाल ने बिम्सटेक में समझाई नेबरहुड फर्स्ट-एक्ट इस्ट पॉलिसी, दिया सुरक्षा मंत्र

संबोधित करते हुए एनएसए डोभाल

बिम्सटेक की खास बातें

- **मुख्य लक्ष्य:** क्षेत्रीय सुरक्षा, कनेक्टिविटी और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देना।
- **रणनीतिक जुड़ाव:** दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के बीच संबंधों को मजबूत करना।
- **सहयोग के क्षेत्र:** समुद्री सुरक्षा और आपदा प्रबंधन में आपसी तालमेल बढ़ाना।
- **आपसी एकजुटता:** वैश्विक स्तर पर उभरती चुनौतियों का मिलकर सामना करना।
- **भारत का संकल्प:** क्षेत्र की समृद्धि और सुरक्षा के लिए भारत पूर्ण सहयोग देने को प्रतिबद्ध है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बिम्सटेक देशों के बीच आपसी सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया है। सुरक्षा प्रमुखों की बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी, क्षमता निर्माण और आर्थिक सुरक्षा जैसे बिम्सटेक के मूल उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

■ सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे

डोभाल ने रेखांकित किया कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में क्षेत्रीय साझेदारी पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई है, और बिम्सटेक केवल एक क्षेत्रीय संगठन नहीं बल्कि सदस्य देशों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और साझा विकास का एक सशक्त मंच है। भारत की विदेश नीति में इस संगठन के महत्व को स्पष्ट करते हुए एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि बिम्सटेक भारत की प्रमुख पहलों से सीधे जुड़ा हुआ है।

भारत अपनी प्रतिबद्धता के लिए समर्पित

यह एक तरफ जहां भारत के नेबरहुड फर्स्ट (पड़ोसी पहले) विजन को मजबूती देता है, वहीं दूसरी तरफ दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ आर्थिक, रणनीतिक व सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने वाली 'एक्ट ईस्ट' नीति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने भारत के महासागर (महासागर) विजन का भी विशेष उल्लेख किया, जो इस पूरे क्षेत्र के सभी देशों की सुरक्षा और समान विकास पर केंद्रित है। उन्होंने सदस्य देशों से समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, आर्थिक प्रगति और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने का आह्वान किया ताकि क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा मिले और लोगों को इसका सीधा लाभ मिल सके। डोभाल ने दोहराया कि भारत बिम्सटेक के साझा लक्ष्यों को हासिल करने और क्षेत्र को अधिक सुरक्षित व समृद्ध बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बिम्सटेक के 5 खास मुद्दे

- **सहयोग और सुरक्षा पर विशेष बल:** एनएसए अजीत डोभाल ने बिम्सटेक देशों के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई है।
- **विश्वास और साझा प्रगति का मंच:** डोभाल के अनुसार, बिम्सटेक केवल एक क्षेत्रीय संगठन नहीं है, बल्कि यह सदस्य देशों के बीच आपसी विश्वास और साझा विकास का एक बेहद महत्वपूर्ण मंच है।
- **भारत की विदेश नीति का आधार:** बिम्सटेक भारत की दो प्रमुख नीतियों-नेबरहुड फर्स्ट (पड़ोसी पहले) और एक्ट ईस्ट (दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ जुड़ाव) को सीधे तौर पर मजबूती प्रदान करता है।
- **महासागर विजन की अहमियत:** इस बैठक में भारत के महासागर दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया, जिसका लक्ष्य क्षेत्र के सभी देशों के लिए समान सुरक्षा, समुद्री सहयोग और आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करना है।
- **साझा चुनौतियों का सामूहिक सामना:** बदलते वैश्विक परिदृश्य में साझा चुनौतियों से निपटने के लिए सभी सदस्य देशों को मिलकर काम करने और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया।

एक दूसरे से जुड़ रहे बिम्सटेक देश

एनएसए ने कहा कि बंगाल की खाड़ी सिर्फ भौगोलिक रूप से ही नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही साझा सभ्यतागत और सांस्कृतिक विरासत के जरिए भी सदस्य देशों को जोड़ती है। उन्होंने कहा, इन्हीं ऐतिहासिक संबंधों के आधार पर बिम्सटेक ने विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत सहयोग विकसित किया है। हमारा लक्ष्य सभी लोगों के लिए साझा समृद्धि और लचीलेपन के साथ बेहतर भविष्य का निर्माण करना है। डोभाल ने कहा कि बिम्सटेक देशों ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, साइबर खतरों और समुद्री सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने में सहयोग को मजबूत किया है तथा भविष्य की नई और उभरती चुनौतियों का भी मिलकर सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, बिम्सटेक के क्षेत्रीय सुरक्षा, संपर्क (कनेक्टिविटी), क्षमता निर्माण और आर्थिक सुरक्षा के दीर्घकालिक लक्ष्य हमारी सामूहिक कोशिशों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

ये है बिम्सटेक की ताकत

डोभाल ने कहा कि बिम्सटेक हिंद महासागर क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण और गतिशील क्षेत्रों को एक साथ लाता है। उन्होंने कहा, बिम्सटेक के सदस्य देशों की कुल आबादी 1.7 अरब है, जो दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी है। इन देशों की संयुक्त अर्थव्यवस्था करीब 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की है।

9 दिन में 116 जहाजों पर हमले हुए

एजोव सागर में जहाजों की आवाजाही रुकी, हमले से रूस में भी होर्मुज जैसा संकट

दोनों रास्तों के दोनों ओर बड़ी संख्या में जहाज फंसे हुए हैं

एजेंसी ⏭ मॉस्को

यूक्रेन के लगातार ड्रोन हमलों के बाद रूस को बड़ा झटका लगा है। इस सप्ताह हमलों की वजह से रूस को एजोव सागर के अहम समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही रोकनी पड़ी। इससे दुनिया के दूसरे देशों के साथ रूस का व्यापार प्रभावित होने लगा है।

एजोव सागर लंबे समय तक यूक्रेन की पहुंच से बाहर रहा था। रूस इसी समुद्री रास्ते का इस्तेमाल यूक्रेन पर हमले करने और दक्षिणी रूस से तेल, गेहूं, स्टील, सूरजमुखी का तेल और दूसरे सामान दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए करता था। लेकिन हाल के महीनों में यूक्रेन के ड्रोन हमले काफी प्रभावी हो गए हैं और अब इस समुद्री रास्ते पर भी रूस का दबदबा कमजोर पड़ने लगा है।

रूस के लिए बेहद खास है एजोव सागर

एजोव सी यूक्रेन और रूस के बीच स्थित एक अंदरूनी समुद्र है, जो केर्च स्ट्रेट के जरिए ब्लैक सी से जुड़ा है। 2003 में यूक्रेन और रूस ने इस समुद्री क्षेत्र को साझा इस्तेमाल करने का समझौता किया था। लेकिन 2014 में क्रीमिया पर कब्जे के बाद रूस ने इस समझौते का कई बार उल्लंघन किया। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस ने एजोव सागर के आसपास के लगभग पूरे यूक्रेनी तट पर कब्जा कर लिया। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे रूस का समंदर तक बता दिया था। आकार में छोटा होने के बावजूद, एजोव सागर रूस की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है। सोवियत काल में विकसित हुए नदियों और नहरों का विशाल नेटवर्क इसी समुद्री मार्ग से जुड़ता है।

टैंकरों तक सीमित नहीं रहे हमले

यूक्रेन की ड्रोन सेना के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवदी ने दावा किया कि पिछले 9 दिनों में एजोव सागर में रूस के 116 जहाजों को निशाना बनाया गया है। पहले यूक्रेन के हमले मुख्य रूप से रूस के शैडो ऑयल टैंकरों और युद्धपोतों तक सीमित थे, लेकिन अब हमलों का दायरा बढ़ गया है।बता दें कि लगातार हमलों के बाद रूस ने डॉन-एजोव चैनल और केर्च स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही रोक दी है। जो डॉन-एजोव चैनल एजोव सागर को रूस की अंदरूनी नदियों और जलमार्गों से जोड़ता है। केर्च स्ट्रेट एजोव सागर को ब्लैक सी से जोड़ता है। सैटेलाइट तस्वीरों और जहाजों की ट्रैकिंग करने वाली बेवसाइट्स के मुताबिक, इन दोनों रास्तों के दोनों ओर बड़ी संख्या में जहाज फंसे हुए हैं और आगे बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)
रा०प्र०क0-202606262800064/अ-6/25-26
ग्राम केवरा, तहसील-भैयाथान,
ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुशिल कुमार कुशवाहा आ० दिनेश कुशवाहा उम्र लगभग-37 वर्ष जाति कोईरी निवासी ग्राम केवरा, तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम केवरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर-48/1, 83/1, 86, 89, 191, 194/1, 195, 196, 206, 207, 208, 209, 238, 239/1, 260, 285, 334/1, 336 रकबा 0.57, 0.52, 0.07, 0.09, 0.08, 0.03, 0.22, 0.17, 0.07, 0.26, 015, 0.27, 0.12, 0.19, 0.89, 0.23, 0.57, 0.60 हे० भूमि स्थित है। उक्त वादभूमि में से अपने 1/6 हीस्से की भूमि को वसीयतकर्ता स्व० फुलझरिया बेवा महाबीर जाति कोईरी निवासी ग्राम केवरा के द्वारा उपपंजीयक कार्यालय सूरजपुर के समक्ष दिनांक-13.02.2025 को पंजीबद्ध वसीयतनामा पत्र के माध्यम से आवेदक के पक्ष में निष्पादित कर दिया था। जिससे आवेदक द्वारा उक्त पजीबद्ध वसीयतनामा पत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु छ०ग भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। अतएव इसमें किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपना लिखित दावा/आपत्ति मियत तिथी 15/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथी के बाद में प्राप्त वावा/आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह उद्घोषणा आज इस न्यायालय के पदमुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 08/07/2026 को जारी।

नायब तहसीलदार
भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

परतावल-महराजगंज रोड से राज गैस गोदाम मार्ग गड्ढों में तब्दील

परतावल / महराजगंज परतावल-महराजगंज मार्ग से राज गैस एजेंसी के गोदाम तक जाने वाली संपर्क सड़क पूरी तरह बदहाल हो गई है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और जलभराव के कारण राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद कीचड़ और पानी भर जाने से दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। यह मार्ग क्षेत्र की प्रमुख संपर्क सड़कों में शामिल है। प्रतिदिन सैकड़ों स्कूली बच्चे, किसान, बुजुर्ग और दो पहिया वाहन चालक इसी रास्ते से गुजरते हैं। सड़क की खराब हालत के चलते वाहन चालकों को गड्ढों और पानी से बचते हुए जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ रहा है।

मुंबई लोकल का सफर रामभरोसे, यात्रियों पर हमले, हत्याएं, मारपीट और महिलाओं पर अत्याचार बढ़े

मुंबई। मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों का सफर दिन-ब-दिन अधिक खतरनाक और चिंताजनक होता जा रहा है। लोकल ट्रेनों में चाकूबाजी, हत्या, मारपीट तथा महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में मुंबई लोकल का सफर अब सुरक्षित नहीं रह गया है। पहले ही भीषण भीड़ के कारण यात्रियों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता है, और अब बढ़ती हिंसक घटनाओं ने इस यात्रा को पूरी तरह रामभरोसे छोड़ दिया है। रेलवे पुलिस, रेलवे प्रशासन और राज्य सरकार यात्रियों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह उदासीन हैं तथा सरकार कुंभकर्णी नींद में सोई हुई है। यह गंभीर आरोप मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लगाया। इस मुद्दे पर सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि कभी मुंबई शहर और मुंबई लोकल का सफर सुरक्षित माना जाता था, लेकिन पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड एम.सी.बी., जिला - एम.सी.बी. (छ०ग०)
निविदा सूचना क्रमांक / 05 / व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.ख./2026-27
एम.सी.बी., दिनांक - 22.06.2026
निविदा आमंत्रण सूचना

मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रपत्र ₹अ₹ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20-07-2026 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (रु.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	जिला-एम.सी.बी. के निर्माणधीन जिला प्रयोगशाला भवन में आंतरिक विधुतीकरण का कार्य सलंग्न शेड्यूल के अनुसार।	4.78	4780.00	750/-	2 माह वर्षा ऋतु सहित	एकीकृत पंजीयन प्रणाली में श्रेणी 'द' एवं उच्च श्रेणी
2	जिला-एम.सी.बी के निर्माणधीन खण्ड कार्यालय भवन में आंतरिक विधुतीकरण का कार्य सलंग्न शेड्यूल के अनुसार।	5.91	5910.00	750/-	2 माह वर्षा ऋतु सहित	एकीकृत पंजीयन प्रणाली में श्रेणी 'द' एवं उच्च श्रेणी

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
एम.सी.बी., जिला-एम.सी.बी. (छ०ग०)

जी 262702174/1

ईरान ने अमेरिकी ड्रोन गिराया

कुवैत-बहरीन और जॉर्डन में किया हमला, अमेरिकी बेस पर अटैक

एजेंसी ⏭ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव थमने के बजाय और अधिक हिंसक रूप अख्तियार कर चुका है। एक तरफ अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ एक और बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया है। वहीं ईरान ने भी अमेरिकी ड्रोन मार गिराया और कुवैत-बहरीन और जॉर्डन में किया हमला, यूएस बेस को काफी नुकसान पहुंचाया।ईरानी मीडिया के अनुसार, चाबहार, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और अहवाज जैसे इलाके अमेरिकी हमलों की चपेट में आए हैं। चाबहार में नौसेना का एक निगरानी टावर भी नष्ट हो गया, ईरान ने नागरिक समुद्री सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया है। इन हमलों का असर नागरिक इलाकों पर भी पड़ा है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अहवाज में बाघाई कैंसर अस्पताल के पास हुए एक जोरदार धमाके और कंपन के कारण वहां भर्ती कैंसर पीड़ित बच्चे और उनके परिजन दहशत में बाहर निकल आए।

, पिछले 15 वर्षों से ब्राजील से चल रहा है व्यापार

ाजील पर लगाया 25% टैरिफ ने बताया नियम के खिलाफ

और भेदभावपूर्ण हैं, जो अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

अमेरिकी जांच में मुख्य रूप से डिजिटल व्यापार, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सेवाओं, बौद्धिक संपदा संरक्षण, इथेनॉल बाजार पहुंच और अवैध वनों की कटाई से जुड़े मुद्दों को अमेरिकी हितों के खिलाफ पाया गया है।

ब्राजील सरकार ने कड़ा रुख अपनाया

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर यह कदम उठाया गया है क्योंकि लूला सरकार ने बातचीत में सद्भावना नहीं दिखाई। दूसरी ओर, राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के नेतृत्व वाली ब्राजील सरकार ने इस कदम पर कड़ा रुख अपनाते हुए अमेरिका पर तीखा पलटवार किया है। ब्राजील ने अमेरिकी फैसले को सिरे से खारिज करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक दुखद मील का पत्थर और अंतरराष्ट्रीय बहुपक्षीय व्यापार नियमों का खुला उल्लंघन बताया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क0-202606262800065/अ-6/25-26

ग्राम केवरा, तहसील-भैयाथान,

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 'आवेदक सुशिल कुमार कुशवाहा आ० दिनेश कुशवाहा उम्र लगभंग-37 वर्ष जाति कोईरी निवासी ग्राम केवरा, तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम केवरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर-143/1, 143/2 रकबा 0.15, 0.08 हे० भूमि स्थित है। उक्त वादभूमि में से अपने 1/6 हीस्से की भूमि को वसीयतकर्ता स्व० फुलझरिया बेवा महाबीर जाति कोईरी निवासी ग्राम केवरा के द्वारा उपपंजीयक कार्यालय सूरजपुर के समक्षदिनांक 13.02.2025 को पंजीबद्ध वसीयतनामा पत्र के माध्यम से आवेदक के पक्ष में निष्पादित कर दिया था। जिससे आवेदक द्वारा उक्त पंजीबद्ध वसीयतनामा पत्र के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। अतएव इसमें किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो यह अपना लिखित दावा/आपत्ति नियत तिथी 15/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथी के बाद में प्राप्त दावा/आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह उ?द्घोषणा आज इस न्यायालय के पदमुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 08/07/2026 को जारी।

नायब तहसीलदार
भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क० /अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका संतोषी घोष पत्नी भोला घोष व अन्य, निवासी पुराना माईनस कॉलोनी कुम्दा गोविन्दपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि कुल खसरा नंबर 815/7 रकबा 2.540 हे0 मेसे रकबा 0.009 हे. भूमि जो अना./हक त्यागकर्ता महेश कुमार घोष पिता स्व. मनोरंजन घोष के हक और हिस्से की भूमि का पंजीकृत हक त्याग विलेक दिनांक 11.02.2026 को आवेदिकागण के पक्ष में हक त्यागनामा का निष्पादन किया गया है। आवेदिकागण द्वारा उपरोक्त हक त्याग के आधार पर अनावेदक महेश कुमार घोष पिता स्व. मनोरंजन घोष, जाति कायस्थ, निवासी पुराना माईनस कॉलोनी कुम्दा गोविन्दपुर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर छ०ग० का नाम विलोपित कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/08/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2,

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अनिल कुमार सिन्हा आ०/पति रविनंदन प्रसाद सिन्हा जाति, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1262/12 रकबा 1404 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०- /20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनिल कुमार सिन्हा आ०/पति नागवंत सहाय जाति, निवासी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1262/11 रकबा 1404 वगफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुशील कुमार सिन्हा आ०/पति नागवंत सहाय जाति, निवासी केदारपुर भटठी रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1262/4 रकबा 1495 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 20/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न.
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक परदेशी राम पिता तपेश्वर जाती चमार निवासी ग्राम खड्गवां प.ह.न 10 रा.नि.नं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र उमेश कुमार का जन्म दिनांक 08/06/2008 को ग्राम खड़गवा में हुई है।

अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र उमेश कुमार का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत खड़गवां को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 24/07/2026.तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

शिक्षकों को SIR कार्य से मुक्त किए जाने की मांग

मुंबई, (सं.) एक तरफ नई शिक्षा प्रणाली आने के बाद से जहां शिक्षकों पर अध्ययन अध्यापन का बोझ बढ़ता जा रहा है वहीं दूसरी तरफ राज्यभर में चल रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाओं की ड्यूटी लगाए जाने से विद्यार्थियों का पठन पाठन बाधित हो रहा है। जिसके कारण मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वय रोजगार विभाग के महासचिव डॉ सत्तार खान ने राज्य के मुख्यमंत्री से मांग की है कि शिक्षकों को इस कार्य से मुक्त किया जाए तथा उनकी जगह अन्य सरकारी विभागों, बेरोजगार शिक्षित युवाओं को नियुक्त किया जाए। खान ने बताया कि घाटकोपर की एक बीमार शिक्षिका द्वारा चुनावी कार्य के अत्यधिक तनाव के कारण आत्महत्या का प्रयास हाल ही में किया गया। यह बेहद गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। खान के अनुसार देश में नई शिक्षा प्रणाली लागू होने के बाद से शिक्षकों पर अध्ययन अध्यापन का बोझ बढ़ता जा रहा है।

हेल्थ टिप्स

ज्यादा प्रोटीन से यूरिक एसिड पर होता है असर, जरूर जानिए

अक्सर लोगों को लगता है कि हाई प्रोटीन डाइट से शरीर का यूरिक एसिड बढ़ता है। इस बात में कितनी सच्चाई है, आज यहां जानेंगे। आज के समय में फिटनेस और वजन घटाने के लिए हाई प्रोटीन डाइट का चलन तेजी से बढ़ रहा है। जिम जाने वाले लोग, एथलीट्स और वेट लॉस करने वाले व्यक्ति अक्सर अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा देते हैं। लेकिन इसके साथ ही एक आम धारणा यह भी है कि ज्यादा प्रोटीन खाने से शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है, जिससे जोड़ों में दर्द और गाउट जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

क्या यह सच है या सिर्फ एक मिथक? सही जानकारी के बिना डाइट फॉलो करना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि हाई प्रोटीन डाइट को संतुलित तरीके से अपनाया जाए ताकि शरीर स्वस्थ रहे और यूरिक एसिड भी नियंत्रित रहे। यहां हम आपको इसकी सच्चाई बताएंगे।

प्रोटीन और प्यूरीन का संबंध

कुछ प्रोटीन स्रोतों में प्यूरीन नामक प्राकृतिक तत्व पाया जाता है, जो शरीर में जाकर यूरिक एसिड बनाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर प्रकार का प्रोटीन यूरिक एसिड बढ़ा देता है। शरीर खुद भी प्यूरीन बनाता है और भोजन से मिलने वाला हिस्सा केवल एक कारक होता है। समस्या तब बढ़ती है जब हाई-प्यूरीन फूड्स का अधिक सेवन लगातार किया जाए और शरीर उसे ठीक से बाहर न निकाल पाए।

हर प्रोटीन नुकसानदायक नहीं होता

सभी प्रोटीन स्रोत एक जैसे नहीं होते। अंडा, दूध, दही और पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स तथा पौधे आधारित प्रोटीन जैसे दालें और चने आमतौर पर यूरिक एसिड पर बहुत ज्यादा असर नहीं डालते। असली जोखिम रेड मीट, ऑर्गन मीट (जैसे लीवर) और कुछ सी-फूड से ज्यादा जुड़ा होता है, जिनमें प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है।

मात्रा सबसे महत्वपूर्ण

किसी भी पोषक तत्व की तरह प्रोटीन में भी संतुलन जरूरी है। यदि प्रोटीन का सेवन जरूरत से ज्यादा किया जाए, तो शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। लेकिन सामान्य और संतुलित मात्रा में हाई प्रोटीन डाइट लेने से यूरिक एसिड का स्तर खतरनाक रूप से नहीं बढ़ता। इसलिए डाइट को बैलेंस रखना सबसे अहम है।

पानी की कमी भी कारण

शरीर में पानी की कमी होने पर यूरिक एसिड ठीक से बाहर नहीं निकल पाता और किडनी पर दबाव बढ़ जाता है। इससे यूरिक एसिड का स्तर बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। पर्याप्त पानी पीना शरीर से टॉक्सिन्स और अतिरिक्त यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करता है, इसलिए हाइड्रेशन बेहद जरूरी है।

लाइफस्टाइल का असर

यूरिक एसिड बढ़ने का कारण सिर्फ डाइट नहीं है, बल्कि पूरी लाइफस्टाइल होती है। मोटापा, शराब का सेवन, कम शारीरिक

गतिविधि और अनहेल्दी खान-पान इसके बड़े कारण हैं। नियमित एक्सरसाइज और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाकर इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

तो आखिर क्या है निष्कर्ष?

हाई प्रोटीन डाइट सीधे तौर पर यूरिक एसिड बढ़ाने का मुख्य कारण नहीं है। असली समस्या तब होती है जब गलत प्रकार का प्रोटीन अधिक मात्रा में लिया जाए और लाइफस्टाइल अनहेल्दी हो। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और नियमित व्यायाम के साथ हाई प्रोटीन डाइट को सुरक्षित रूप से अपनाया जा सकता है।

मौसम का असर पड़ता है हमारी पाचन प्रणाली पर

इस मौसम में पेट की सेहत को दुरुस्त रखने इन बातों पर दें विशेष ध्यान, तकलीफों से हमेशा रहेंगे कोसों दूर

अभी गर्मी पूरी तरह गई नहीं है और बारिश भी जमकर नहीं हुई है. ऐसे में मौसम कुछ अलग सा है। इस मौसम में अक्सर पेट से संबंधित समस्याएं देखने को मिलती हैं, और इसके कई कारण हो सकते हैं। इसलिए हेल्दी गट हेल्थ के लिए डाइट से संबंधित कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

गर्मियों का मौसम आते ही हम सभी शरीर को ठंडा रखने और त्वचा की देखभाल पर ध्यान देते हैं, लेकिन अक्सर यह भूल जाते हैं कि यह भीषण गर्मी हमारी पाचन प्रणाली यानी गट हेल्थ पर भी गहरा असर डालती है। सूरज की तपिश और बढ़ता तापमान न केवल हमें बाहर से परेशान करता है, बल्कि अंदरूनी तौर पर भी हमारी पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकता है।

भीषण गर्मी में डिहाइड्रेशन, खान-पान में छोटी सी लापरवाही, और हानिकारक बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इन कारणों से पेट से जुड़ी सामान्य समस्याएं जैसे कब्ज, अपच, दस्त और पेट दर्द आम हो जाती हैं। यह सिर्फ असहजता ही नहीं, बल्कि शरीर की ऊर्जा और पोषक तत्वों के अवशोषण को भी बाधित कर सकती है। इसलिए, जिस तरह हम अपनी त्वचा को धूप से

बचाते हैं, ठीक उसी तरह गर्मियों में अपनी आंतों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है, ताकि पाचन तंत्र स्वस्थ रहे और हम इस मौसम का पूरा आनंद ले सकें। आइए जानते हैं कि गर्मियों में गट हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

हाइड्रेशन का रखें ध्यान

गर्मी में पसीने के कारण शरीर से पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है, जिससे पाचन तंत्र प्रभावित होता है। पर्याप्त पानी पीना गट हेल्थ के लिए जरूरी है, क्योंकि यह भोजन को पचाने और मल को नरम रखने में मदद करता है। रोजाना 8-10 गिलास पानी पिएं। इसके अलावा आप अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए नारियल पानी, नींबू पानी, और छाछ जैसे पेय पदार्थ को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। ये पेय शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की पूर्ति करते हैं संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। मीठे और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स से बचें, क्योंकि ये पाचन को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

प्रोबायोटिक्स से भरपूर आहार लें

प्रोबायोटिक्स अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जो गट हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं। गर्मियों में दही, लस्सी, और केफिर जैसे प्रोबायोटिक युक्त खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करें। ये पाचन को बेहतर बनाते हैं और आंतों में बैक्टीरियल संतुलन बनाए रखते हैं। घर का बना दही या छाछ न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि गर्मी में पेट को ठंडक भी देता है।

फाइबर युक्त भोजन का सेवन करें

फाइबर आंतों को स्वस्थ रखता है और कब्ज की समस्या से बचाता है। गर्मियों में मौसमी फल जैसे तरबूज, खरबूजा, और आम के साथ-साथ हरी सब्जियां जैसे

खीरा, पालक, और टमाटर खाएं। ये फाइबर से भरपूर होते हैं और पाचन को आसान बनाते हैं। साबुत अनाज जैसे ओट्स, ज्वार, और बाजरा भी फाइबर का अच्छा स्रोत हैं। तले-भुने और मसालेदार भोजन से परहेज करें, क्योंकि ये पेट में जलन और अपच का कारण बन सकते हैं।

खान-पान में सावधानी बरतें

गर्मी में खाना जल्दी खराब हो सकता है, जिससे फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ता है। हमेशा ताजा और साफ-सुथरा भोजन करें। बाहर का खाना खाने से बचें, खासकर कटे हुए फल या स्ट्रीट फूड, क्योंकि इनमें बैक्टीरिया पनपने की संभावना होती है। खाना पकाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छे से धोएं। इसके अलावा, भोजन को छोटे अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, ताकि पाचन तंत्र पर दबाव न पड़े। रात के समय हल्का भोजन करें।

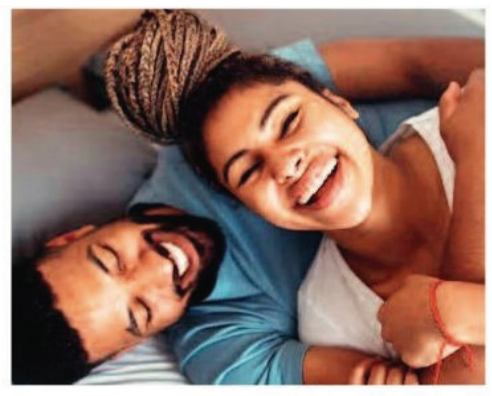

रिश्ते में भरोसे और प्यार के लिए अपनाएं '3 सी', कभी नहीं होगा विवाद

आज के समय कई रिश्ते दोस्ती से प्यार में और फिर शादी में बदल रहे हैं। मगर विवाह केवल दो स्त्री-पुरुष के बीच का संबंध नहीं है, बल्कि यह दो परिवारों को जोड़ता है। ऐसे में लव हो या अरेंज मैरिज, विवाह को सफल बनाने का दबाव दोनों साथियों पर होता है। ऐसे में जब एक साथी को दूसरे से '3सी' यानी कमिटमेंट, कंपैटिबिलिटी और कम्युनिकेशन नहीं मिलता है, तो रिश्ते में दरार आने लगती है। वह रिश्ते में खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगता है। धीरे-धीरे दोनों के बीच विवाद इतने बढ़ जाते हैं कि यह बंधन टूटने की कगार पर आ जाता है। इसलिए आपके प्यार भरे रिश्ते में '3सी' का मैजिक जरूर होना चाहिए।

कमिटमेंट

कमिटमेंट यानी वचनबद्धता, यह रिश्ते की नींव होती है। जब दोनों साथी एक-दूसरे के प्रति समर्पित होते हैं तो उनके बीच भरोसा, प्यार और सुरक्षा की भावना गहराने लगती है। वे मिलकर भविष्य की योजनाएं बनाते हैं और उन्हें ईमानदारी

से निभाते हैं। वैवाहिक रिश्ते में एक साथी का दूसरे साथी के प्रति कमिटमेंट होना दर्शाता है कि साथी अपने रिश्ते को लेकर कितना गंभीर है। यह भावना दोनों को भावनात्मक रूप से जोड़ती है, जिससे वे एक-दूसरे से खुलकर बात कर पाते हैं। डर और खुशियां साझा करने से संबंध और मजबूत होते हैं और रिश्ता संतुलित तथा स्थायी बनता है।

कंपैटिबिलिटी

कंपैटिबिलिटी का मतलब है- दो लोगों के बीच आपसी समझ और तालमेल। जब जीवन-शैली, सोच, आदतें और संवाद-शैली में सामंजस्य होता है तो रिश्ता मजबूत और खुशहाल बनता है। कंपैटिबल लोग एक-दूसरे की भावनाओं और जरूरतों को समझते और सम्मान करते हैं। वे खुलकर बात करते हैं, जिससे गलतफहमियां दूर होती हैं। ऐसे रिश्ते में तनाव और टकराव की संभावना भी कम रहती है। ऐसा भी जरूरी नहीं कि दोनों में सब कुछ समान हो, पर जब दोनों एक-दूसरे को स्वीकारते हैं तो रिश्ता गहरा होता है। कंपैटिबिलिटी वैवाहिक जीवन की स्थिरता और संतुलन के लिए आवश्यक है, जो हर रिश्ते में जरूरी है, ताकि आप अपना रिश्ता प्रेमपूर्वक निभा सकें।

कम्युनिकेशन

कम्युनिकेशन यानी संवाद किसी भी रिश्ते की नींव है, जिस से प्यार, समझ और भावनात्मक जुड़ाव गहरा होता है। जब किसी भी रिश्ते में संवाद की कमी होती है तो गलतफहमियां, नाराजगी और दूरियां बढ़ने लगती हैं। विवाहित जोड़े जब एक-दूसरे से खुलकर बात नहीं करते या एक-दूसरे की बात सुनने में रुचि नहीं दिखाते तो रिश्ता कमजोर पड़ता है। अच्छा संवाद दो लोगों के बीच की दूरी को कम करता है और आपसी विश्वास को मजबूत बनाता है। यदि पार्टनर अपने दिल की बात साझा न कर सके तो अकेलापन महसूस होता है। दोनों के बीच प्यार और प्रभावी कम्युनिकेशन उनके रिश्ते को मजबूत कर खुशहाल बनाता है।

ऑपरेशन दो-तिहाई अंजाम तक

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने अपने-अपने स्तर पर चाणक्य साबित कर दिया है। गृहमंत्री का ऑपरेशन दो-तिहाई लगभग अंजाम तक पहुंच चुका है और पवार ने परिसीमन संशोधन बिल को समर्थन का संकेत देकर अपने 8 सांसदों का दलबदल बचा लिया है। संभावनाएं बन रही हैं कि पवार एनडीए में भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार गृहमंत्री शाह का आग्रह है कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय कर एक संगठित पार्टी बनाएं और फिर एनडीए का हिस्सा बनें। एनसीपी का जो गुट दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व में टूटा था, वह महाराष्ट्र और केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने भी इसी गुट को असली एनसीपी की मान्यता दी है, लेकिन मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। बहरहाल ऑपरेशन दो-तिहाई प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के लिए नाक का सवाल है, क्योंकि बीती 17 अप्रैल को परिसीमन संशोधन बिल लोकसभा में परास्त हो गया था। मोदी सरकार के 12-साला कार्यकाल में यह पहली अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय पराजय थी, लिहाजा सरकार अब तभी यह संशोधन बिल संसद में लाएगी, जब लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत निश्चित हो जाएगा। संविधान संशोधन बिल को पारित कराने की यह संवैधानिक शर्त है कि दो-तिहाई बहुमत का समर्थन होना चाहिए। लोकसभा में फिलहाल 540 सदस्य हैं, जिसका दो-तिहाई 360 सांसद बनता है, लेकिन बिल पारित कराने की संवैधानिक, संसदीय व्यवस्था यह है कि मतविभाजन के समय जितने सांसद सदन में हैं, उनका दो-तिहाई बहुमत होना लाजिमी है, लेकिन सदन में कमोबेश 50 फीसदी सदस्य उपस्थित होने चाहिए।

लोकसभा में भाजपा के 240 सांसद हैं, लेकिन एनडीए के पक्ष में कुल 293 सांसद हैं। पिछली बार छोटे दलों के 5 सांसदों ने भी संविधान संशोधन बिल के समर्थन में मतदान किया था, लिहाजा एनडीए के 298 सांसद माने जा सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस के जिन 20 सांसदों ने बगावत कर पालाबदल किया था, उसके बाद अब वे नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के सांसद हैं। त्रिपुरा और बंगाल की यह बौनी-सी, गुमनाम पार्टी पहले से ही एनडीए की घटक है, लिहाजा ऑपरेशन दो-तिहाई के तहत इन 20 सांसदों को गिनते हुए एनडीए को 318 सांसदों का समर्थन हो जाता है। असली शिवसेना (एकनाथ शिंदे वाली) ने उद्धव गुट में सेंध लगाई और चाणक्य भाजपा की सहायता से 6 सांसदों को तोड़ कर पार्टी में शामिल भी कर लिया गया। नतीजतन एनडीए के 324 सांसद हो गए। अब गिद्ध-दृष्टि तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर है। पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन परिसीमन के साथ-साथ चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के भी घोर विरोधी रहे हैं। तमिलनाडु में द्रमुक सत्ता के बाहर हो चुकी है। लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। गौरतलब यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में, तत्कालीन द्रमुक अध्यक्ष करुणानिधि की सहमति से, एनडीए और भारत सरकार में भाजपा-द्रमुक साथ-साथ रहे हैं। ऐसा कोई वैचारिक विभाजन नहीं है। दोनों के बीच कोई लक्ष्मण-रेखा भी नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर होगा उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के आयोजन को लेकर संघ के पदाधिकारी की बैठक की गई। बैठक में भारतीय ओलंपिक संघ के आग्रह पर 2036 वृक्ष लगाने हेतु तैयारी पर चर्चा की गई साथ ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर सभी खेल के दो उत्कृष्ट खिलाड़ी एक महिला एक पुरुष एवं एक कोच को सम्मान पर चर्चा की गई।

- छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के पदाधिकारियों ने की बैठक मे चर्चा

बैठक में छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ विक्रम सिंह सिसोदिया, गजराज पगरिया, उपाध्यक्ष, आर के श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, अकरम खान सहसचिव, प्रशांत सिंह रघुवंशी सहसचिव, अवतार जुनेजा कार्यकारिणी सदस्य, डॉ अतुल शुक्ला कार्यकारिणी सदस्य और प्रमोद सिंह ठाकुर कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ हर साल 'अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस' के अवसर पर 23 जून को राज्य में विभिन्न खेल, सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य आम जनता और युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना और उन्हें खेल गतिविधियों से जोड़ना है।

कार्नर न्यूज

खुलकर हंसना आपको रखता है तंदरुस्त

मेंटल हेल्थ के लिए 'हंसी' है सबसे अच्छा इलाज 'लाफ्टर थेरेपी' अपनाने से मिलेंगे अद्भुत फायदे

खुलकर हंसना एक ऐसी भावनात्मक अभिव्यक्ति है, जिसमें हमारे मन और शरीर को स्वस्थ रखने की अद्भुत क्षमता है। अक्सर लोग अपने तनाव को कम करने के लिए लाफ्टर थेरेपी का सहारा लेते हैं, इसलिए आइए इस लेख में इसके 4 प्रमुख फायदों के बारे में जानते हैं।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। इनसे समस्या से निजात पाने के लिए लोग अक्सर महंगे उपचारों और जटिल तकनीकों की तलाश करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक सबसे आसान, मुफ्त और प्राकृतिक उपाय आपकी मानसिक सेहत स्वस्थ्य रखने में अहम भूमिका निभा सकता है? जी हां, बात है लाफ्टर थेरेपी की यानी खुलकर हंसने की।

हंसी एक ऐसी भावनात्मक अभिव्यक्ति है, जिसमें हमारे मन और शरीर को स्वस्थ्य रखने की अद्भुत क्षमता है। कई स्टडी में ऐसा देखने को मिलता है कि संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए खुलकर हंसने से न सिर्फ हमारा मन हल्का रहता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य में भी सकारात्मक बदलाव

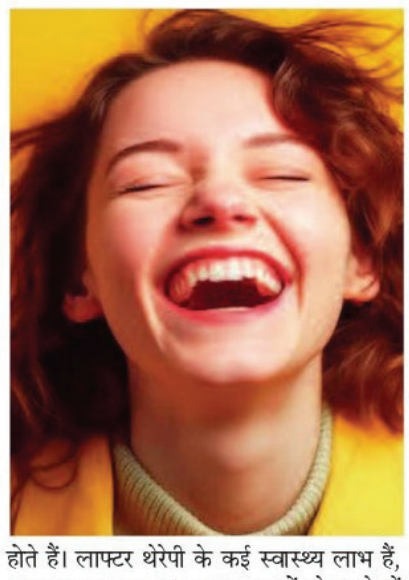

होते हैं। लाफ्टर थेरेपी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, आइए कुछ प्रमुख स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

तनाव और चिंता में कमी

खुलकर हंसी शरीर में एंडोर्फिन जैसे खुशी के हार्मोन को रिलीज करती है, जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं। जब हम हंसते हैं, तो कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर घटता है। लाफ्टर थेरेपी सत्रों में लोग समूह में हंसने के व्यायाम करते हैं, जैसे हंसी योग, जो दिमाग को शांत करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार

खुलकर हंसने न सिर्फ मन खुश रहता है, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। हंसने से शरीर में टी-सेल्स और एंटीबॉडीज का उत्पादन बढ़ता है, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। लाफ्टर थेरेपी नियमित रूप से करने वाले लोग सर्दी-जुकाम जैसी छोटी-मोटी बीमारियों से कम प्रभावित होते हैं।

सामाजिक जुड़ाव

लाफ्टर थेरेपी अक्सर समूहों में की जाती है,

जहां लोग एक-दूसरे के साथ हंसते और बातचीत करते हैं। यह सामाजिक जुड़ाव को बढ़ाता है और अकेलेपन की भावना को कम करता है। हंसी लोगों के बीच विश्वास और दोस्ती का सेतु बनाती है। परिवार या दोस्तों के साथ हंसने से रिश्ते मजबूत होते हैं, और यह अवसाद से जूझ रहे लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार

हंसी एक बेहतरीन व्यायाम है। यह रक्त संचार को बेहतर करता है, और मांसपेशियों को आराम देता है। हंसी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में भी मदद करती है। जो लोग पुरानी बीमारियों से जूझ रहे हैं उनके लिए लाफ्टर थेरेपी बहुत फायदेमंद हो सकता है।

जर्जर स्कूल भवन, बच्चों को पढ़ाई नहीं, हर दिन मिल रहा जान जोखिम में डालने का इनाम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एक ओर प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, ग्रामीण और आदिवासी अंचलों के बच्चों तक बेहतर शिक्षा पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा कर रही है, वहीं जिले के प्रतापपुर विकासखंड के

जिम्मेदार बेखबर..

चंदौरा स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय की तस्वीरें इन दावों की हकीकत बयां कर रही हैं। यह विद्यालय अब शिक्षा का मंदिर कम और खंडहर अधिक दिखाई देता है। बरसात के मौसम में इसकी जर्जर छत, उखड़ती दीवारें और टूटते प्लास्टर हर पल किसी बड़े हादसे का संकेत देते नजर आते हैं। इसके बावजूद यहां 80 से अधिक मासूम बच्चे प्रतिदिन अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विद्यालय भवन की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि पहली नजर में कोई भी इसे वर्षों से बंद पड़ा परित्यक्त भवन समझ बैठे। जगह-जगह दीवारों में दरारें, उखड़ा प्लास्टर, काई जमी दीवारें और कमजोर छत यह सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर शिक्षा विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार क्यों कर रहा है। बरसात के दिनों में

बच्चों और शिक्षकों के मन में हर समय यह भय बना रहता है कि कहीं भवन का कोई हिस्सा भरभराकर गिर ना पड़े। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों को मौखिक एवं लिखित रूप से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मरम्मत और भवन सुधार के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन इस विद्यालय की बदहाली देखकर सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर वह राशि कहां खर्च हुई। यदि कहीं कार्य हुए भी हैं तो उनका लाभ इस विद्यालय तक क्यों नहीं पहुंचा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विकासखंड में शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से अव्यवस्था का शिकार बनी हुई है। वर्षों से प्रभारी व्यवस्था के भरोसे चल रहे प्रशासनिक ढांचे के कारण विद्यालयों की नियमित निगरानी प्रभावित हुई है। कई विद्यालयों की वास्तविक स्थिति उच्च अधिकारियों तक सही ढंग से नहीं पहुंच पा रही है, जिसका खामियाजा सीधे ग्रामीण और आदिवासी बच्चों को भुगतना पड़ रहा है।

बताया जाता है कि विद्यालय भवन की स्थिति ऐसी है कि कई बच्चे भय के कारण स्कूल आने से भी कतराते हैं। जो बच्चे शिक्षा के प्रति गंभीर हैं, वे मजबूरी में इसी खतरनाक भवन में बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। सवाल यह है कि यदि किसी दिन भवन का कोई हिस्सा गिर गया और कोई बड़ा हादसा हो गया, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा..? क्या जिम्मेदार अधिकारी तब जागेंगे, जब कोई मासूम हादसे का शिकार हो जाएगा। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी क्षेत्रीय निरीक्षण और वास्तविक स्थिति का आकलन करने में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। यदि समय रहते विद्यालयों का नियमित निरीक्षण होता और जर्जर भवनों की सूची बनाकर तत्काल कार्रवाई की जाती, तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। शिक्षा व्यवस्था की निगरानी में लापरवाही का असर सीधे बच्चों के भविष्य पर पड़ रहा है। चंदौरा का यह विद्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था की उपेक्षा का प्रतीक बनता जा रहा है। सरकारी योजनाओं और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर यहां साफ दिखाई देता है। शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा, जब बच्चों को सुरक्षित वातावरण में पढ़ने का अवसर मिलेगा। खंडहरनुमा भवन में शिक्षा दिलाना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस विद्यालय का संयुक्त निरीक्षण कराने, भवन की तकनीकी जांच तथा बच्चों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था और नए भवन के निर्माण की दिशा में पहल कु मांग की है। क्योंकि शिक्षा का मंदिर यदि स्वयं खंडहर बन जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान उन मासूम बच्चों का होता है जिनके सपनों की नींव इसी विद्यालय से रखी जानी है।

पेड़ से टकराई 40 श्रद्धालुओं से भरी अनियंत्रित पिकअप, 13 आहत, 4 की हालत नाजुक

0 म.प्र. के भुईमान से कुदरगढ़ देवी दर्शन को आ रहे थे श्रद्धालु
0 बांक घाट के समीप हुआ हादसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। श्रद्धालुओ से भरी पिकप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा भिड़ी। उस हादसे में पिकप सवार 13 लोग आहत हो गए है। जिनमे से चार की हालत नाजुक बताई गई है। जिन्हें बेहतर उपचार के लिए सूरजपुर जिला अस्पताल दाखिल कराया गया है। जबकि अन्य आहतों को उपचारार्थ ओड़गी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा शुक्रवार को ओड़गी क्षेत्र के बांक घाट में हुआ है। बताया गया है कि शुक्रवार को मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के भुईमान क्षेत्र से करीब 40 श्रद्धालु पिकअप वाहन में सवार होकर कुदरगढ़ स्थित माँ बागेश्वरी के दर्शन के लिए आ रहे थे। इसी दौरान कुदरगढ़ से करीब 20 किमी पहले बांक घाट के समीप चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और पिकप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगें एक विशालकाय पेड़ से जा

टकराई। वाहन की गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पेड़ से टकराने के बाद वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद वाहन में सवार लोग उधर उधर फेका गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आहतों को राहत देने कार्य शुरू किया। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बगैर देर किए पुलिस एवं प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची, और 108 एंबुलेंस की मदद से सभी आहतों को ओड़गी अस्पताल भिजवाया गया। जहां सभी आहतों के प्राथमिक उपचार पश्चात गंभीर रूप से घायल चार लोगों को बेहतर उपचार के लिए सूरजपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया गया है कि पिकअप में करीब 35 से 40 लोग सवार थे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया। प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना माना जा रहा है।

जागरूकता शिविर में बच्चो की गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिहारपुर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आमजन को महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी देते हुए उनसे बचाव के उपाय बताए तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से अवगत कराया। वित्तीय साक्षरता एवं समन्वयक विशेषज्ञ के द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों एवं बाल विवाह रोकने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने जरूरत पड़ने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का उपयोग करने की सलाह दी तथा यातायात नियमों की भी जानकारी साझा की। जेंडर विशेषज्ञ पूनम रजवाड़े ने नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना एवं महतारी वंदन योजना की विस्तृत जानकारी दी। वहीं जेंडर विशेषज्ञ सलोमी कुजूर ने सखी वन स्टॉप सेंटर, घरेलू हिंसा एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित सहायता सेवाओं के साथ महिला हेल्पलाइन 181 एवं आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम के दौरान सारिका द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया तथा आउटरीच वर्कर आरती द्वारा पोषण सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रसीदानंद कश्यप व्याख्याता रामधीन तिवारी, पुनीत साहू एवं जिला विधिक प्राधिकरण से अक्षरावर लाल गुप्ता भी उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय में आज स्पेशल लोक अदालत, धारा 138 एन.आई. एक्ट के प्रकरणों का होगा त्वरित निराकरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं प्रधान जिला न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण थॉमस एक्का के दिशा-निर्देशन में पराक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 से संबंधित प्रकरणों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के लिए 18 जुलाई शनिवार को स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। यह स्पेशल लोक अदालत जिला न्यायालय परिसर, सूरजपुर एवं तालुका न्यायालय परिसर, प्रतापपुर में आयोजित होगी। अधिक से अधिक प्रकरणों के प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जिला न्यायालय सूरजपुर में दो खण्डपीठ तथा तालुका न्यायालय प्रतापपुर में भी दो खण्डपीठों का गठन किया गया है। इस प्रकार दोनों न्यायालय परिसरों में कुल चार खण्डपीठों के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार स्पेशल लोक अदालत के माध्यम से पक्षकार आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर अपने प्रकरणों का शीघ्र, सरल एवं कम खर्च में निराकरण करा सकते हैं। लोक अदालत में पारित निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होता है तथा इसमें समय, धन एवं अनावश्यक मुकदमेबाजी की बचत होती है, साथ ही पक्षकारों के आपसी संबंध भी मधुर बने रहते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सभी संबंधित पक्षकारों से अपील की गई है कि वे धारा 138 एन.आई. एक्ट के अपने प्रकरणों के निराकरण हेतु स्पेशल लोक अदालत में उपस्थित होकर इस वैकल्पिक एवं प्रभावी न्याय व्यवस्था का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।अधिक जानकारी के लिए इच्छुक पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दूरभाष क्रमांक 07775-299122 एवं 8120980173 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह हेतु नालसा टोल फ्री नंबर 15100 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

विद्यार्थियों पॉक्सो एक्ट, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, गुड टच-बैड टच सहित विभिन्न विषयों पर दी गई जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के नेतृत्व में विद्यालयों में बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक किया जा रहा है इसी कड़ी में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, रामचंद्रपुर में छात्र-छात्राओं एवं बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मिशन वात्सल्य, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वन स्टॉप सेंटर एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता, गुड टच एवं बैड टच की पहचान तथा व्यक्तिगत सुरक्षा के संबंध में विस्तारपूर्वक

जानकारी दी गई। साथ ही किसी भी प्रकार की अनुचित घटना की जानकारी तत्काल अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित विभाग को देने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक समानता, नशामुक्ति, बाल विवाह, बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति की रोकथाम तथा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के उद्देश्यों एवं बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर भी जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, कानूनी संरक्षण तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें सरल एवं सहज भाषा में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। सभी विद्यार्थियों से सुरक्षित, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने तथा प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में मिशन वात्सल्य, चाइल्ड हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

गौधामों को मॉडल स्वरूप में विकसित करने करें पहल : रेना जमील

कलेक्टर ने ली जिला गौधाम समिति की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की उपस्थिति में शुक्रवार को यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गौधामों के प्रभावी संचालन, उन्हें मॉडल गौधाम के रूप में विकसित करने, स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने तथा निराश्रित एवं घुमंतू पशुओं के बेहतर प्रबंधन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष विजय शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. नृपेंद्र सिंह, गौधाम प्रभारी अधिकारी डॉ. आशुतोष चौबे, समिति के अन्य सदस्य, विकासखंड स्तरीय समितियों के अध्यक्ष तथा जिले में संचालित गौधाम एवं गौशालाओं के संचालक उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने गौधामों को आत्मनिर्भर एवं मॉडल स्वरूप में विकसित करने के लिए आवश्यक पहल करने पर बल दिया। उन्होंने गौधामों में आजीविका आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा निराश्रित एवं घुमंतू पशुओं के समुचित संरक्षण और प्रबंधन के लिए समन्वित प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में ग्रामीणों को पैरा दान के लिए प्रेरित करने तथा जिले में नए गौधाम स्थापित करने के उद्देश्य से उपयुक्त गौठानों की सूची तैयार कर रुचि की अभिव्यक्ति जारी करने का निर्णय लिया गया। इसके माध्यम से गौधामों के विस्तार और संचालन में जनभागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	195268 प्रथम आमंत्रण 10.07.2026	जिला रायपुर के खारून रिवर फ्रंट के निर्माण विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य, विद्युतीकरण कार्य सहित ।संभाग क्रमांक 1 रायपुर।	6133.96
2	195351 प्रथम आमंत्रण 13.07.2026	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के स्याही– सनावल मार्ग के कि.मी. 01 से 09 , 13 से 18 एवं 23 से 35 कि.मी. कुल 28.00 कि.मी. मजबूतीकरण एवं उन्नयन कार्य।	910.48
3	195347 प्रथम आमंत्रण 13.07.2026	1. जिला जशपुर के रापाडांड केरसई से राईटोली मार्ग लं. 1.74 कि.मी. का निर्माण कार्य। 2. जिला जशपुर के मुख्य मार्ग सिंगीबहार से राईमुण्डा तक मार्ग लंबाई 0.94 कि.मी. निर्माण कार्य।	308.08
4	195368 द्वितीय आमंत्रण 13.07.2026	जिला गरियाबंद अंतर्गत व्यवहार न्यायालय गरियाबंद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु 02 नग एफ, 15 नग जी, 20 नग एच एवं 15 नग आई टाईप शासकीय आवास गृह का निर्माण तथा पहुंच मार्ग , नाली, गार्डन, काउ कैंचर, ओवर हेड टेंक, बाऊण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित।	840.67
5	195374 आठवां आमंत्रण 13.07.2026	जिला दन्तेवाड़ा के बुरगम–समेली मार्ग के कि.मी. 3/6 मलगेर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	367.10
6	195376 द्वितीय आमंत्रण 13.07.2026	जिला रायपुर के डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर छ.ग. में आंतरिक मरम्मत, नवीनीकरण, जीर्णोधार फसाड लाईटिंग उन्नयन कार्य एवं आंतरिक रेनोवेशन कार्य , विद्युतीकरण सहित (जमा मद का कार्य)।	3023.93
7	195375 द्वितीय आमंत्रण 13.07.2026	जिला कांकेर के मुख्य मार्ग कांकेर भानुप्रतापपुर संबलपुर मार्ग से मिच्चीपारा मार्ग लंबाई 2.15 कि.मी. का पुल–पुलिया सहित निर्माण कार्य।	314.71
8	195369 छटवां आमंत्रण 13.07.2026	जिला कोरबा के लेमरू श्यांग मार्ग में लमटी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	370.64
9	195362 तृतीय आमंत्रण 13.07.2026	जगदलपुर केन्द्रीय जेल में 06 नग बैरक (फैक्ट्री बैरक (जी.एफ./एफ. एफ. एण्ड II एफ. हाईसेल बैरक) (शेष कार्य) विद्युतीकरण सहित।	241.19
10	195359 द्वितीय आमंत्रण 13.07.2026	अण्डी किरकार जगमहन से सातबहीनिया तक मार्ग लंबाई 5.30 कि.मी. का निर्माण कार्य।	762.48
11	195363 द्वितीय आमंत्रण 13.07.2026	वर्ष 2024–25 के बजट में शामिल जिला कोण्डागांव के चांदाबेडा (छोटियामुडा से छिंदली) तक मार्ग लंबाई 3.375 कि.मी. पुल–पुलिया सहित निर्माण कार्य।	405.19
12	195383 द्वितीय आमंत्रण 13.07.2026	जिला कोरिया के केन्दई बरदर बैकुण्ठपुर सोनहत रामगढ़ म.प्र. सीमा मार्ग लं. 20.46 कि.मी. का मजबूतीकरण निर्माण काय	1529.38
13	195349 प्रथम आमंत्रण 13.07.2026	जिला सूरजपुर के भंवरखोह से गंगापुर करीं कुप्पा तक पहुंच मार्ग लं. 5.10 कि.मी. पुल – पुलिया सहित मार्ग निर्माण कार्य।	697.94

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 01 दिनांक 03.08.2026 सं.क्र. 02 से सं.क्र. 03, सं.क्र. 13 दिनांक 05.08.2026, सं.क्र. 05, सं.क्र. 08 से सं.क्र. 09 दिनांक 27.07.2026 निर्धारित है एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 31.07.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियन्ता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी-262702148/2

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)
रा०प्र०क्र० / ब–121 / 2025–26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूक्ति किया जाता है कि आवेदक सीता देवी गोयल पति बिसन गोयल पिता नानू राम अग्रवाल द्वारा मुख्तार आम उमेश कुमार अग्रवाल पिता लालचंद अग्रवाल निवासी सूरजपुर छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 434/327 रकबा 0.028 हे० भूमि की अनावेदक विश्वेश्वर शरण सिंह देव आ०स्व० उमेश्वर शरण सिंह देव निवासी सरगवां पैलेस संजय पार्क मार्ग सरगवां अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 7,00,000/– में सौदा तय कर विक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 10/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा–आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय–सीमा के बाद प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)
रा०प्र०क्र० / ब–121 / 2025–26

ईश्तहार

एत्तद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल कुमार अग्रवाल आ० ईश्वरचन्द अग्रवाल निवासी वार्ड नंबर 1 एम०जी० रोड मोहरलाल कॉलोनी भगवानपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 243/158 रकबा 0.022 हे0 भूमि को अनावेदक अनिमा केडिया पति सचिन केडिया निवासी कंपनी बाजार अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिल्ला सरगुजा छ०ग० के पास निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 21,00,000/– मे सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 10/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा–आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय–सीमा के बाद प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर
जिला कोरिया (छ०ग०)

ईश्तहार

क्रमांक 7/ वाचक/2026
बैकुण्ठपुर दिनांक 30–06–2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम आमापारा को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका उदय पिता/पति रामप्रसाद जाति कंवर निवासी आमापारा तहसील बैकुण्ठपुर जिला–कोरिया के द्वारा राधिका निवासी आमापारा का जन्म/मृत्यु दिनांक 27–01–1012 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 16/07/2026 को 11:00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 30/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला–कोरिया
छ०ग०

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

स्कूल में बच्चों की कम उपस्थिति, नोटिस जारी करने एसडीएम को दिए निर्देश

कलेक्टर ने लुण्ड्रा विकासखंड का दौरा करके शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल के साथ लुण्ड्रा विकासखण्ड का दौरा किया। उन्होंने यहां विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों आंगनबाड़ी केंद्रों, आश्रम छात्रावास, विद्यालयों सहित निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम पंचायत असकला से दोरना पंचायत के मध्य लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन पुल का अवलोकन किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वहीं ग्राम पंचायत जराकेला में प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत सड़क का भी निरीक्षण किया गया।

विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर देखी व्यवस्था

कलेक्टर ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर शैक्षणिक व्यवस्था का अवलोकन किया। ग्राम पंचायत असकला स्थित माध्यमिक शाला के निरीक्षण दौरान विद्यार्थियों की दर्ज संख्या 42 के विरुद्ध केवल 22 विद्यार्थियों की उपस्थिति पाए जाने पर उन्होंने कम उपस्थिति के संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए एसडीएम को निर्देशित किया। इसके बाद प्राथमिक शाला असकला का निरीक्षण किया गया, जहां 34 में से 33 विद्यार्थियों की उपस्थिति संतोषजनक पाई गई। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन में हरी सब्जियां एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों में मध्यान्ह भोजन लकड़ी के चूल्हे पर बनाए जाने की जानकारी मिलने पर गैस चूल्हे का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हाई स्कूल असकला में कलेक्टर ने प्राचार्य को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय गेरसा में विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत पाठ्यपुस्तक वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा जिन विद्यालयों में एक शिक्षक हैं वहां तत्काल अतिरिक्त शिक्षकों की व्यवस्था की जाए।

चिकित्सकीय सुविधाओं का लिया जायजा

कलेक्टर ने दौरे के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने उप स्वास्थ्य केन्द्र असकला, उप स्वास्थ्य केंद्र गेरसा एवं स्वास्थ्य केन्द्र बरगीडीह पहुंचे। निरीक्षण के दौरान विभिन्न वार्डों का अवलोकन कर स्वास्थ्य केंद्र में चल रहे स्वास्थ्य सुविधाओं, संसाधनों एवं चिकित्सकीय उपकरणों के बारे में जानकारी ली गई। उन्होंने सभी पात्र गर्भवती महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य केंद्रों में फ्लेक्स, बैनर, पेंटिंग आदि लगवाने कहा। रात्रि में चिकित्सकों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं बरगीडीह में 102 एम्बुलेंस की स्टेट मैपिंग हेतु बीएमओ को निर्देशित किया गया।

आंगनबाड़ी, आश्रम-छात्रावासों का निरीक्षण

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र असकला का निरीक्षण किया। यहां बच्चों की उपस्थिति, कुपोषित बच्चों की संख्या व बच्चों को दिए जा रहे पौष्टिक आहार की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने किचन का निरीक्षण कर बीईओ को किचन प्लेटफॉर्म बनवाने एवं पाइप लाइन कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीएमओ एवं सीडीपीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी के पश्चात सभी बच्चों का प्रवेश स्कूल में हो, इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित करें तथा स्वयं मॉनिटरिंग करें। आदिवासी बालक आश्रम गेरसा के निरीक्षण दौरान कलेक्टर ने शयन कक्ष, भोजन कक्ष, शौचालयों, भवन एवं परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने शौचालयों की मरम्मत कराने के लिए अधीक्षक एवं मंडल संयोजक को निर्देशित किया तथा बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आश्रम परिसर में अधूरे सामुदायिक शौचालय का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के लिए सरपंच, सचिव एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने कहा गया।

भाजपा नेताओं से जुड़े मामलों में कार्रवाई नहीं, कांग्रेस सोमवार को फिर जाएगी आईजी कार्यालय

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भाजपा नेताओं से जुड़े कई गंभीर मामलों में पुलिस की धीमी जांच और कार्रवाई न होने के विरोध में कांग्रेस एक बार फिर पुलिस महानिरीक्षक से मुलाकात करेगी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक और नगर निगम अंबिकापुर के नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने बताया कि कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को आईजी कार्यालय जाएगा। 6 जुलाई को बरसते पानी में निकाली गई न्याय यात्रा और आईजी कार्यालय घेराव के बाद उठाए गए मुद्दों की प्रगति रिपोर्ट मांगी जाएगी। कांग्रेस का आरोप है कि डेढ़ हफ्ते बीत जाने के बाद भी इन मामलों में कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिख रही है, इससे जनता में यह संदेश जा रहा है कि भाजपा से जुड़े प्रभावशाली लोगों पर कानून अलग तरीके से लागू हो रहा है। कांग्रेस ने सरगुजा के एकमात्र मंत्री और अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने कहा कि जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और इन गंभीर मामलों पर मंत्री का अब तक कोई सार्वजनिक बयान न आना चिंताजनक है। कांग्रेस का कहना है कि अगर सरकार कानून के राज के पक्ष में है तो मंत्री को खुलकर सामने आना चाहिए। उनकी खामोशी को इन घटनाओं पर मौन सहमति के रूप में देखा जा रहा है। जिला अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक ने कहा है कि कांग्रेस कानून के समान और निष्पक्ष अनुपालन चाहती है। अगर आने वाले दिनों में भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन तेज करेगी।

इन मामलों को लेकर निकली थी न्याय यात्रा

मीना बाजार आवंटन ऑडियो क्लिप: सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस ऑडियो में दावा है कि मेला संचालक अनुराग मिश्रा, महापौर मंजूषा भगत और भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के बीच कलाकेंद्र मैदान के आवंटन को लेकर पैसों की बात हुई। महापौर ने इसे साजिश बताकर जांच की मांग की थी, लेकिन अब तक जांच आगे नहीं बढ़ी।

भिट्ठी भूमि घोटाला: इस मामले में भी भाजपा पदाधिकारियों की संलिप्तता के आरोप हैं। कांग्रेस का कहना है यहां भी जांच की गति बेहद धीमी है।

सीतापुर विधायक पर मारपीट का आरोप: सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो पर नायब तहसीलदार तुषार मानिकपुरी से मारपीट का आरोप है। एफआईआर कराने के आदेश बाद भी अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल आईजी से इन मामलों में अब तक जांच की वर्तमान स्थिति, क्या कदम उठाए गए, मामलों को निपटाने की समयसीमा को लेकर सवाल करेगी।

जिला अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक ने कहा कि कांग्रेस कानून के समान और निष्पक्ष अनुपालन चाहती है। अगर आने वाले दिनों में भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन तेज करेगी।

अंबिकापुर के शहरी क्षेत्र में बालिकाओं के लिये विशेष एचपीवी टीकाकरण शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा अंबिकापुर शहरी क्षेत्र में विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। भारत सरकार के राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान में 13 से 18 जुलाई तक, 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की पात्र बालिकाओं को निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है।

सूने मकान से 50 हजार नकद सहित जेवर और बर्तन चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम केंवरा में सूने मकान का ताला तोड़कर 50 हजार रुपये नकद सहित करीब एक लाख रुपये के सामानों की चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने ग्रामीण के आवेदन पर अपराध दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम केवरा निवासी राजनाथ सिंह का गांव में दो घर है। वह अपने परिवार के साथ नये घर में रहता है, रात में पुराने घर में सामने के लिये आ जाता है, जहां उसका छोटा भाई रहता है। 15 जुलाई को शाम करीब 4 बजे छोटा भाई अपनी पत्नी के साथ अंबिकापुर गया था, इसके बाद वह भी पुराने घर में सोने के लिये नहीं गया। 16 जुलाई की सुबह करीब 7 बजे राजनाथ की पत्नी पार्वती पुराने घर में गई तो घर के बाहर दरवाजे में ताला नहीं लगा था। इसकी जानकारी वह नये घर में आकर अपने पति को दी। इसके बाद दोनों पुराने घर गये तो परछी में रखा अलमारी खुला था, और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। उसके भाई रामनाथ के कमरे का दरवाजा खुला था। अंदर जाने पर उसके भाई के कमरे में रखा अलमारी और पेटी भी खुला हुआ मिला, कपड़ा बाहर बिखरा हुआ था। अपने भाई को फोन करके वह चोरी की जानकारी दिया। भाई के आने पर जब वे सामान का मिलान किये तो अलमारी और पेटी में रखा 50 हजार रुपये नकद, कांस का थाली 6 नग, कांस का लोटा 4 नग, चांदी का पायल 4 जोड़ी एवं उसके भाई के अलमारी और पेटी में रखा सामान कांस का थाली 9 नग, कांस का लोटा 10 नग नहीं था। आसपास तलाश के बाद भी चोरी के बारे में कुछ पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

आरटीई के तहत तृतीय एवं अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि संचालक लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार ऑनलाईन आर.टी.ई. पोर्टल के माध्यम से निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 अंतर्गत वर्ष 2026-27 हेतु तृतीय एवं अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया हेतु 27 अगस्त तक समय सारणी निर्धारित किया गया है। उन्होंने अशासकीय विद्यालयों हेतु नियुक्त प्राचार्य/नोडल अधिकारी (आर.टी.ई.) को अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अशासकीय विद्यालयों में प्रचार-प्रसार कर आर.टी.ई. के तहत आरक्षित रिक्त सीटों पर अधिक से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त कर प्रवेश की कार्यवाही करना सुनिश्चित करने कहा है।

16 करोड़ के गांजा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ बलरामपुर पुलिस ने 4 और तस्करों को किया गिरफ्तार,अब तक 9 आरोपी पकड़े गए

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। पुलिस और एसटीएफ भुवनेश्वर ने संयुक्त कार्रवाई कर अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में ओडिशा से चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब तक 3139.570 किलोग्राम गांजा जब्त कर चुकी है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 16 करोड़ रुपये है।

गिरफ्तार आरोपियों में दुर्वाशा साहु (46), सुबुधी साहु (40), अरुण कुमार राना (34) और प्रकाश खटुआ (35) शामिल हैं। सभी आरोपी ओडिशा के बौध जिले के कंटामाल थाना क्षेत्र के निवासी हैं। इससे पहले लोकेश शर्मा, आमिष अंसारी और नीलाम्बर कंहार समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

दो मामलों की जांच में हुआ खुलासा

यह कार्रवाई थाना बसंतपुर में दर्ज दो एनडीपीएस मामलों की जांच के दौरान हुई। पहले मामले में 29 दिसंबर 2025 को टाटा ट्रक से 1198.460 किलो गांजा बरामद हुआ था, जिसे नारियल की भूसी में छिपाकर ओडिशा से राजस्थान ले जाया जा रहा था। दूसरे मामले में 11 जून को ट्रक ऋछ्व-14 त-9078 से 1941.110 किलो गांजा जब्त किया गया था।

पूछताछ में सामने आया नेटवर्क

जांच में पता चला कि ओडिशा के सोनपुर स्थित लोपा ढाबा के पास पिकअप वाहनों से गांजा लाकर ट्रकों में लोड किया जाता था। तकनीकी साक्ष्यों, पूछताछ और पहचान परेड के आधार पर चारों आरोपियों की भूमिका सामने आई। आरोपियों ने पूछताछ में तस्करी में शामिल होने की बात स्वीकार की है।

तस्करों पर होगी सख्त कार्रवाई

बलरामपुर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, खरीद-फरोख्त और परिवहन में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

सरगुजा पुलिस का सघन मुसाफिर-किरायेदार चेकिंग अभियान जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस ने अंबिकापुर में मुसाफिर और किरायेदारों की सघन चेकिंग की। चेकिंग के दौरान न्यायालय परिसर, कला केंद्र मैदान, भट्टी रोड, शहर के चौक-चौराहे, फल ठेले, चाय-नाश्ते की दुकानें, छोटी गुमटियों और अस्थाई प्रतिष्ठानों में पुलिस टीम पहुंची, और किराये के मकानों में रह रहे लोगों के पहचान पत्रों का भौतिक सत्यापन किया। साथ ही ठेला संचालकों और दुकानदारों से उनके यहां काम करने वाले लोगों की जानकारी ली। एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति अवैध रूप से रह रहा हो तो तुरंत सूचना दें। सूचना के लिए हेल्पलाइन नंबर 9479193599 या डायल 112 पर संपर्क किया जा सकता है। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा।

सरदार पटेल की मूर्ति स्थापना के लिये हुआ भूमिपूजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की विशाल मूर्ति की स्थापना मनेन्द्रगढ़ रोड स्थित फॉरेस्ट बैरियर के पास 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के तर्ज पर की जाएगी। इसका भूमिपूजन शुक्रवार को नगर निगम की महापौर मंजूषा भगत व भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने किया। लगभग 50 लाख रुपये लागत की इस मूर्ति के साथ परिसर में गार्डनिंग और हाईमास्ट लाइट भी लगाई जाएगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में मेयर इन काउंसिल सदस्य मनीष सिंह, जितेंद्र सोनी, ममता तिवारी, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी, भाजपा नेता विवेक दुबे, प्रियंका गुप्ता, शैलेष सिंह, जे. कुजूर, अवधेश सोनकर, दीपक गर्ग, विकास सोनी, रविन्द्र गुप्त भारती, शैलेन्द्र शर्मा, मधु चौदहा, प्रियंका चौबे, नीलम राजवाड़े, सरस्वती यादव के अलावा नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए।

सूरजपुर जिले के 5 शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्था राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत द्वारा आयोजित 'स्व. श्री हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026' रायपुर के विमतारा में गरिमामय वातावरण में हुआ। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारपूर्ण योगदान के लिए देशभर के चयनित शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर सूरजपुर जिले के 5 शिक्षकों, सर्व संकुल समन्वयक अमर नाथ चौबे, महेश पैकरा, डॉ. गायत्री मिश्रा, व्याख्याताओं में इंदुमती सोनवानी तथा कृष्णा धुर्वे को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन, जिला शिक्षा अधिकारी, विभिन्न शिक्षक संगठनों तथा शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने सभी सम्मानित शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र निर्माण में निरंतर योगदान की शुभकामनाएं दी हैं।

भैयाथान में एफएलएन ऑनलाइन प्रशिक्षण के असाइनमेंट मूल्यांकन कार्य का समापन

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अंबिकापुर के निर्देशन तथा जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर के आदेशानुसार विकासखण्ड भैयाथान में एफएलएन अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों के ऑनलाइन प्रशिक्षण उपरांत विषयवार असाइनमेंट मूल्यांकन कार्य 14 से 17 जुलाई तक विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र, भैयाथान में हुआ। इस मूल्यांकन कार्य में विकासखण्ड के चार जोन से बीआरजी पुनिता साहू, ईश्वर सिंह, सर्वोत्तम सिंह, महेश एक्का, पूनम शुक्ला, फुलमती सारथी, सुनील चक्रधारी, फरहाद आलम, किरण बाला सोनी, गायत्री राजवाड़े, बाबूलाल राजवाड़े एवं गायत्री मिश्रा ने सहभागिता करते हुए सफलतापूर्वक मूल्यांकन कार्य पूर्ण किया। मूल्यांकन कार्य के समापन अवसर पर

बीईओ फुल साय मरावी, एबीईओ घनश्याम सिंह, बीआरसीसी सुरेन्द्र दुबे तथा बीआरपी विनोद यादव व कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मूल्यांकन कार्य में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों के कार्य की सराहना करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एफएलएन कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बताया।

संकुल सखौली में धूमधाम से मना शाला प्रवेशोत्सव और नेवता भोज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नए सत्र की शुरुआत पर संकुल सखौली अंतर्गत आने वाली शालाओं में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। संकुल प्राचार्य नेली अनीता कुजूर ने बच्चों को नियमित स्कूल आने और अच्छी आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया। समन्वयक मोहम्मद सलीम खान ने शिक्षा के महत्व और सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम प्रा.शा. और मा.शा. सखौली, रेवापुर, डुमरपानी, बरकेला, सखौलीपारा, पोडीपा एवं लवईडीह में आयोजित हुआ। इस दौरान नेवता भोज भी रखा गया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, पालक, जनप्रतिनिधि और शिक्षक उपस्थित रहे। पालक जनक राम निषाद ने गणित को हिंदी माध्यम में पढ़ाने का आग्रह भी किया।

अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्रय करने पर मेसर्स इन्द्र कृषि सेवा केन्द्र का लाइसेंस निरस्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासन द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक विक्रय करने के मामले में कार्रवाई करते हुए विकासखण्ड अंबिकापुर अंतर्गत ग्राम बड़ादमाली के मेसर्स इन्द्र कृषि सेवा केन्द्र की उर्वरक अनुज्ञप्ति निरस्त कर दी गई है। जानकारी के अनुसार 09 जून को ग्राम नानदमाली व बड़ादमाली के कृषकों द्वारा मेसर्स इन्द्र कृषि सेवा केन्द्र के विरूद्ध शिकायत की गई थी। इसके अनुसार मेसर्स के द्वारा निर्धारित शासकीय मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक बिक्री की जा रही थी।

देश को मिली एएसएफ की पहली स्वदेशी वैक्सीन, अंबिकापुर में सफल रहा फील्ड ट्रायल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 98वें स्थापना दिवस पर 16 जुलाई को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) की स्वदेशी वैक्सीन राष्ट्र को समर्पित किया। इस वैक्सीन का फील्ड ट्रायल मार्च 2026 से शासकीय सुकर फार्म सकालो, अंबिकापुर में चल रहा था। परीक्षण राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (निहसाद) भोपाल के वैज्ञानिकों डॉ. राजू कुमार, डॉ. सैन्थिल, डॉ. वेंकटेश और फतेह सिंह की तकनीकी देखरेख में हुआ। फार्म प्रबंधक डॉ. अजय अग्रवाल और डॉ. सी.के. मिश्रा ने ट्रायल का संचालन किया।

एएसएफ सूकरों का अत्यंत घातक वायरल रोग है, जो घरेलू और जंगली दोनों प्रकार के सुकरों को प्रभावित करता है। इसमें मृत्यु दर 100 प्रतिशत तक हो सकती है, और अभी तक भारत सहित विश्व के अधिकांश देशों में इसकी कोई कारगर दवा या व्यवसायिक वैक्सीन उपलब्ध नहीं थी। भारत में एएसएफ वैक्सीन का यह पहला फील्ड ट्रायल है। विशेषज्ञों का मानना है कि, इस वैक्सीन से देशभर के सूकर पालकों को आर्थिक नुकसान से बचाने में बड़ी मदद मिलेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर